Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 176 | रविवार, 05 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

'पश्चिम एशिया संकट में दिखी भारत की कूटनीतिक शक्ति', बाड़मेर में रिफाइनरी के लोकार्पण पर बोले पीएम मोदी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

राजस्थान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के बाड़मेर जिले के पचपदरा में देश की नई रिफाइनरी का लोकार्पण किया।

79,459 करोड़ रुपये की लागत वाली इस रिफाइनरी सह पेट्रो रसायन परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने पश्चिम एशिया के संकट के दौरान भारत की सफल कूटनीति का विस्तार से जिक्र किया और कहा कि भारत ने ऊर्जा संकट की सबसे बड़ी चुनौती को दूरदर्शी नीतियों, विविधीकरण और मजबूत कूटनीतिक संबंधों के बल पर पार किया, जिसमें आम नागरिकों पर न्यूनतम बोझ पड़ा।

दुनिया में हाहाकार के बीच भारत संकट से उबरा

पीएम मोदी ने कहा कि, 'पश्चिमी एशिया में युद्ध की वजह से पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है और इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है।'

पीएम ने आगे कहा, 'बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं। लेकिन भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए, संकट का समय रहते सटीक आकलन किया, प्रभावी रणनीति बनाई, भारत के संसाधनों का संतुलित प्रयोग किया। भारत की कूटनीतिक पावर का सकारात्मक इस्तेमाल किया और तब जाकर भारत संकट से उबर पाया है।'

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) की उक्त ग्रीनफील्ड रिफाइनरी का उद्घाटन करने से पहले पीएम मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया और इस अवसर पर संशोधित उडान योजना की शुरूआत की।

जोधपुर पहुंचने पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, केंद्रीय मंत्री एवं जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया।

संशोधित उडान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत अगले 10 वर्षों के लिए 28,840 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इससे देश के छोटे शहरों में हवाई कनेक्शन को मजबूत बनाने के लिए उचित इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण शहरों को हवाई कनेक्शन के लिए खास तौर पर चिन्हित किया गया है।

40 से अधिक देशों से ऊर्जा आयात कर रहा भारत

पीएम मोदी ने कहा कि, 'जब संकट शुरू हुआ, तब भारत लगभग 25-26 देशों से ऊर्जा आयात कर रहा था। संकट के दौरान हमने इसे बढ़ाकर 40 से अधिक देशों तक पहुंचा दिया।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'इस संकट के दौरान वैश्विक तेल की कीमतों में उछाल आने से तेल कंपनियों को अप्रैल से जून के बीच 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, लेकिन सरकार ने इसे जनता पर नहीं पड़ने दिया। हमने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर कम की और सुनिश्चित किया कि नागरिकों पर बोझ ज्यादा न बढ़े।'

पीएम ने जोर देकर कहा कि 'राष्ट्रहित ही सर्वोपरि है और नागरिक देवो भव हमारा मंत्र है। 90 लाख मैट्रिक टन सालाना क्षमता की रिफाइनरी व 25 लाख मैट्रिक टन की पेट्रोरसायन संयंत्र के बाद भारत और नई रिफाइनरी लगाने की मंशा रखता है।' प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनरी क्षमता वाला देश बन चुका है। जबकि अमेरिका में पिछले 50 वर्षों में एक भी नई रिफाइनरी नहीं बनी, यूरोप की क्षमता लगातार घटी है।' पीएम मोदी ने कहा कि, 'रिफाइनिंग में भारत आगे बढ़ रहा है। हम रुकने वाले नहीं हैं, आने वाले वर्षों में और क्षमता बढ़ाएंगे।' प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'ईंधन की कमी को लेकर लोगों को डराने और गुमराह करने की कोशिशें की गईं, राजनीतिक खेल खेले गए, लेकिन दुर्भावनापूर्ण ताकतें सफल नहीं हुईं। दूर-दराज के इलाकों में भी आपूर्ति में बड़ी दिक्कत नहीं हुई।'

टेलीग्राम से हटेंगे पायरेटेड कंटेंट: सरकार ने 15 दिन में मांगी कार्रवाई की रिपोर्ट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दुबारा करायी गई नीट परीक्षा से ठीक पहले कुछ दिनों के लिए बैन लगाने के बाद सरकार ने अब लोकप्रिय मैसेजिंग एप टेलीग्राम को पायरेटेड कंटेट रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने भारत में फिल्मों और ओटीटी कंटेंट की बड़े पैमाने पर हो रही पायरेसी रोकने के लिए टेलीग्राम को नोटिस जारी उसे 15 दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। साथ ही सरकार ने टेलीग्राम से पायरेसी रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट भी मांगी है।

टेलीग्राम को पायरेटेड कंटेट रोकने के निर्देश

सरकारी सूत्रों के अनुसार टेलीग्राम एप पर कंटेट पायरेसी रोकना इस लिहाज से जरूरी है कि इससे भारतीय कंटेट क्रिएटर इकोनामी और फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ ब्रॉडकास्टर्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स तथा डिस्ट्रीब्यूटर्स के हितों की रक्षा की जा सके। सूचना प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम को इस बारे में भेजे नोटिस में कहा है कि कॉपीराइट कानून का उल्लंघन न केवल एक सिविल उल्लंघन है बल्कि आपराधिक भी है। इसलिए कंपनी को पायरेसी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ ही सूचना प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि टेलीग्राम केवल इस बात का इंतजा नहीं कर सकता कि सरकार एक-एक करके पायरेसी वाले चैनल की पहचान करे।

आइटी एक्ट, 2000 और आइटी नियम, 2021 के तहत जरूरी सावधानी बरतने के लिए सिर्फ प्रतिक्रिया के तौर पर एक-एक चैनल को हटाने का तरीका काफी नहीं हो सकता। बीते दिनों मेटा को नोटिस देने के बाद सरकार ने टेलीग्राम को नियम-कानूनों का पालन करने का यह नोटिस दिया है।

महाराष्ट्र में बड़ा हादसा! अहिल्यानगर में 50 बच्चों से भरी स्कूल बस पलटी, 15 छात्र घायल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर दो बेहद चिंताजनक खबरें सामने आई हैं। शनिवार सुबह अहिल्यानगर (पूर्व नाम अहमदनगर) में 50 बच्चों को ले जा रही एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 15 छात्र घायल हो गए। वहीं, तीन दिन पहले मुंबई में भारी बारिश के दौरान स्कूल बस पर पेड़ गिरने से 11 साल के एक मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी। मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के इलाकों के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। शनिवार सुबह अहिल्यानगर के राहुरी इलाके में कोंढवाड़ गांव के पास एक बड़ा हादसा टल गया। बच्चों को लेकर जा रही एक स्कूल बस का संतुलन अचानक बिगड़ गया और वह सड़क किनारे जाकर पलट गई। हादसे के वक्त बस में करीब 50 बच्चे सवार थे।

घायल छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया

हादसे के बाद छात्रों को किसी तरह बस से बाहर निकाला गया और घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल, एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बस सड़क किनारे बुरी तरह पलटी हुई दिखाई दे रही है। आसपास कई लोग भी देखे जा सकते हैं। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। माता-पिता भी चिंतित हैं और घटना पर नजर रखे हुए हैं।

मुंबई में स्कूल बस पर पेड़ गिरने से एक छात्र की मौत

तीन दिन पहले मुंबई में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिसमें बारिश के दौरान स्कूल बस पर पीपल का पेड़ गिरने से 11 साल के एक छात्र की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दोपहर 2:58 बजे रोड नंबर 11 पर एक इमारत के पास हुई, जब बस यूनिवर्सल हाई स्कूल के 13 छात्रों को उनके घर ले जा रही थी। फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और सभी छात्रों को बाहर निकाला, जिनमें वे दो छात्र भी शामिल थे जो स्कूल बस में फंसे हुए थे। बस ड्राइवर, कंडक्टर और स्थानीय निवासी भी उनके साथ शामिल हुए। 4 से 12 साल की उम्र के पांच घायल छात्रों को पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर के अनुसार, गंभीर रूप से घायल 11 वर्षीय विहान श्रीवास्तव की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल छात्रों की हालत स्थिर है।

मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने घटना की जांच के आदेश दिए

मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। मेयर के ऑफिस के मुताबिक, स्थानीय सिविक अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इलाके में सड़क किनारे लगे पेड़ों की मॉनसून से पहले छंटाई की गई थी। प्रेस रिलीज में कहा गया, 'जांच में यह देखा जाएगा कि सड़क पर हाल ही में हुए सीमेंट कंक्रीट के काम से पेड़ की मजबूती पर कोई असर पड़ा है या नहीं और क्या स्थानीय निवासियों से कोई शिकायत मिली थी।'

'धर्मेंद्र प्रधान पीएम मोदी के लिए इतने जरूरी क्यों?', सोनम वांगचुक की गिरती सेहत के बीच बोले अभिजीत दिपके

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का शनिवार को 15वां दिन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 7वां दिन है। उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है और उनका वजन 5 किलो कम हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया गया। वहीं वांगचुक ने लद्दाख मुद्दे पर सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में डेवलपमेंट का स्वागत किया है। सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। सीजेपी का कहना है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने एक्स पर लिखा कि वांगचुक की सेहत हर दिन बिगड़ रही है। उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी धर्मेंद्र प्रधान को हटाने का इंतजार आखिर कब तक करेंगे। दिपके ने लिखा कि सोनम सर का वजन 5 किलो कम हो चुका है और उनकी तबीयत हर दिन खराब हो रही है। उन्होंने सवाल किया कि 20 छात्रों की मौत के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी धर्मेंद्र प्रधान को क्यों नहीं हटा रहे हैं। दिपके ने यह भी कहा कि अगर सरकार जल्द कार्रवाई नहीं करती तो वांगचुक को कुछ भी हुआ तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने साफ किया कि जब तक कार्रवाई नहीं होती वांगचुक अपनी भूख हड़ताल खत्म नहीं करेंगे। शुक्रवार रात वांगचुक ने एक्स पोस्ट में लद्दाख मुद्दे पर हुई डेवलमेंट का स्वागत किया और सरकार से शिक्षा में जवाबदेही पर ध्यान देने की अपील की।

जैश, लश्कर और अल-कायदा से जुड़े 23 पाकिस्तानी आतंकी घोषित, गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा एक्शन लेते हुए गृह मंत्रालय ने वहां मौजूद 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। यह कार्रवाई UAPA के तहत की गई। सरकार के आदेश के अनुसार, ये लोग जैश-ए-मोहम्मद (JeM) और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) और अन्य संगठनों से जुड़े हैं। इन पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए लोगों को भर्ती करने, घुसपैठ, ट्रेनिंग, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने और हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। इन 23 लोगों में से तीन लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं। तीन लोग कथित तौर पर नगरोटा में सेना के कैंप पर 2016 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे और दो लोग कथित तौर पर सुंजवान मिलिट्री स्टेशन पर 2018 में हुए आतंकी हमले में शामिल थे।

गृह मंत्रालय ने एक नोटिफिकेशन में सईद के करीबी साथियों के तौर पर अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वलीद और राणा इफ्तिखार की पहचान की है। दस्तावेज में कहा गया है, '54 साल के राणा इफ्तिखार जिहाद-विरोधी संगठनों के बीच तालमेल बिठाता है, युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उकसाता है और हाफिज सईद का करीबी साथी है।' इसमें आगे बताया गया, '52 साल का अब्दुल रऊफ लश्कर और जमात-उद-दावा से जुड़ा है। वह आतंकवादी गतिविधियों की योजना बनाने और उनमें तालमेल बिठाने तथा फंड इकट्ठा करने के काम में शामिल है। वह हाफिज सईद की सीधी कमान में लश्कर के मुख्य आतंकवादियों में से एक है।' इसमें आगे कहा गया है, '51 साल का हाफिज खालिद वलीद, हाफिज सईद की सुरक्षा में रहकर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से काम करता है और कई आतंकवादी घटनाओं का मास्टरमाइंड है।'

सूची में आतंकवादियों के नाम शामिल होने से नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को उनके फंड को रोकने, हथियारों की बिक्री पर रोक लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने की शक्ति मिलेगी। 2019 में आतंकवाद-रोधी कानून में संशोधन करके व्यक्तिगत आतंकवादियों को भी सूची में शामिल करने का प्रावधान किया गया था। संशोधन से पहले केवल समूहों को ही आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता था।

80 आतंकवादियों की लिस्ट

शनिवार को पाकिस्तान में रहने वाले 23 आतंकवादियों को सूची में जोड़ा गया, जिनमें जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हुए हमलों में शामिल लोग भी शामिल हैं। इसके साथ ही सूची में शामिल आतंकवादियों की कुल संख्या 80 हो गई है।

केंद्र सरकार ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक उर्फ डॉक्टर, मुफ्ती मुहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद, हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जट को सूची में शामिल किया है।

ममता को एक और बड़ा झटका, चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बंगाल टीएमसी चीफ समेत सभी पदों से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पहले ही संकट से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेहद करीबी और टीएमसी की 'राइट हैंड' मानी जाने वाली चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी में मच रही उठापटक के बीच ममता बनर्जी की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में शुमार चंद्रिमा का इस तरह अचानक जाना टीएमसी के लिए एक बहुत बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक पत्र लिखकर अपने इस फैसले की जानकारी दी है। इस पत्र में भट्टाचार्य ने स्पष्ट किया है कि वे न केवल सांगठनिक पदों से मुक्त हो रही हैं, बल्कि उन्होंने पार्टी के महत्वपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक फैसलों से जुड़ी 'साइनिंग अथॉरिटी' के पद से भी तत्काल प्रभाव से कदम पीछे खींच लिए हैं। चंद्रिमा भट्टाचार्य लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत चेहरा रही हैं और सरकार से लेकर संगठन तक में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती रही है।

अयोध्या के बाद अब बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में दान की चोरी के आरोपों से हड़कंप, ट्रस्ट ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में दान के कथित गबन को लेकर जारी राष्ट्रव्यापी विवाद के बीच, अब देश के एक और प्रसिद्ध तीर्थ स्थल से ऐसा ही बड़ा मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर दान और चढ़ावे के कथित गलत इस्तेमाल के दावे वायरल होने के बाद, श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए समिति ने श्री बद्रीनाथ धाम में दान और चढ़ावे के कथित गबन के आरोपों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी है।

BKTC के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने कहा कि समिति ने मामले की निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित जांच के लिए एक जांच पैनल बनाने का आदेश दिया है और संबंधित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद अगर कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ये आरोप मंदिर में मिलने वाले चढ़ावे और दान के कथित गलत प्रबंधन से जुड़े हैं। इन दावों का संज्ञान लेते हुए समिति ने कहा कि उसने 24 घंटे के भीतर कार्रवाई शुरू कर दी थी और लाखों भक्तों की इस मंदिर में अटूट आस्था को देखते हुए इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। एक वीडियो संदेश में द्विवेदी ने कहा, 'श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर धाम में दान और चढ़ावे के कथित गबन को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और आरोपों के संबंध में, मैं यह कहना चाहता हूं कि मंदिर समिति ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।' 'हमारे मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने गिनती की प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को नोटिस -खास तौर पर कारण बताओ नोटिस -जारी कर दिए हैं।'

सोशल मीडिया पर वायरल दावों के बाद 24 घंटे में एक्शन

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे थे, जिनमें बद्रीनाथ मंदिर में आने वाले चढ़ावे और भक्तों के दान के कुप्रबंधन के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

बीजेपी विधायक राजू सिंह को 4 साल की जेल, जश्न की गोली ने ली थी महिला की जान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में दक्षिण दिल्ली के एक फार्महाउस में जश्न में गोली चलाने के मामले में, जिसमें अर्चना गुप्ता की मौत हो गई थी, बिहार के बीजेपी विधायक राजू कुमार सिंह को चार साल की सजा सुनाई है। स्पेशल जज विशाल गोगने की अदालत ने मृतका के पति को 25 लाख का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजू कुमार सिंह को पिछले महीने उस मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसमें 2018 की न्यू ईयर ईव पर खुशी में की गई फायरिंग से 45 साल की एक महिला की मौत हो गई थी। शुक्रवार को उन्होंने दिल्ली की अदालत से जेल की सजा न देने की अपील की थी। उन्होंने दलील दी कि उन्होंने यह अपराध 'वैज्ञानिक जानकारी की कमी' के कारण किया, क्योंकि उन्हें अंदाजा नहीं था कि चलाई गई गोली किस पैराबोलिक रास्ते (parabolic trajectory) से जाएगी।

संपादक की कलम से

जल के बिना भी संकट, जल के साथ भी संकट

ललित शर्मा
संपादक

भारतीय शहर आज विकास की सबसे बड़ी विडंबना का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष का एक हिस्सा पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकते हुए गुजरता है, तो दूसरा उसी पानी से बचने के संघर्ष में। कुछ ही महीने पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में सूखे नल, घटता भूजल, टैंकरों के पीछे लंबी कतारें और 'वॉटर क्राइसिस' के बोर्ड दिखाई दे रहे थे। आज वही शहर मूसलाधार बारिश में डूबे हैं। सड़कें नदियों में बदल गई हैं, मेट्रो स्टेशन जलमग्न हैं, वाहन बह रहे हैं और जनजीवन ठप पड़ा है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता है जिसने प्रकृति के साथ चलने के बजाय उसे पराजित करने का भ्रम पाल लिया। सबसे बड़ी चिंता यह है कि जल संकट और जलभराव अब अलग-अलग समस्याएँ नहीं, बल्कि एक ही अव्यवस्थित व्यवस्था के दो चेहरे हैं। गर्मियों में दिल्ली का भूजल खतरनाक स्तर तक गिर जाता है और लोग पानी के लिए भटकते हैं, जबकि मानसून की पहली तेज बारिश में वही इलाके घुटनों तक पानी में डूब जाते हैं। मुंबई में हर वर्ष लोकल ट्रेनें ठप पड़ती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं। तकनीकी राजधानी बेंगलुरु में सड़कें जलमग्न होने पर आईटी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम लागू करना पड़ता है। चेन्नई में 2015 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी भय पैदा करती हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में प्रमुख शहरों में जलभराव की घटनाएँ लगभग 35 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह केवल वर्षा की तीव्रता नहीं, बल्कि हमारी योजनागत विफलता का प्रमाण है। इस संकट की जड़ें प्रकृति में नहीं, हमारी विकास नीति में हैं। शहरों के अंधाधुंध विस्तार ने झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों को निगल लिया। सदियों तक वर्षा जल सँभालने वाले जलाशयों की जगह मॉल, बहुमंज़िला इमारतें, कॉलोनियाँ और सड़कें खड़ी हो गईं। नतीजतन वर्षा जल के प्राकृतिक निकास मार्ग समाप्त हो गए। बादल अपना काम करते हैं, लेकिन शहर विफल हो जाते हैं। पानी के पास बहने का रास्ता नहीं बचता, इसलिए वह सड़कों, बेसमेंटों, मेट्रो स्टेशनों और रिहायशी इलाकों में भर जाता है। दिल्ली-एनसीआर का अनेक स्थानों पर 50-60 वर्ष पुराना ड्रेनेज तंत्र आज की आबादी और वर्षा का दबाव नहीं झेल पा रहा, जबकि मुंबई में समुद्र से पुन: प्राप्त भूमि पर जल निकासी और गंभीर हो गई है। प्रकृति को कुचलकर किए गए विकास की कीमत आज हर नागरिक चुका रहा है। स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं। हर वर्ष मानसून आता है, भारी बारिश होती है और जलभराव होता है, फिर भी प्रशासन की तैयारी अधूरी रहती है। नालों की सफाई अधूरी, पंपिंग स्टेशन खराब, ड्रेनेज का आधुनिकीकरण फाइलों में और जल निकासी पर निवेश नाकाफी रहता है। नतीजा, कुछ घंटों की बारिश ही शहर की रफ्तार थाम देती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, शहरी बाढ़ से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में ड्रेनेज, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल प्रबंधन प्राथमिकता नहीं बन पाए। योजनाएँ आधुनिक दिखती हैं, लेकिन बुनियादी ढाँचा आज भी जर्जर और उपेक्षित है। प्रशासनिक उदासीनता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। कर्मचारी घंटों जाम में फँसते हैं, विद्यार्थी विद्यालय नहीं पहुँच पाते, छोटे व्यापारी कारोबार ठप होने को विवश होते हैं और कई बार गंभीर रोगी समय पर अस्पताल तक नहीं पहुँच पाते।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वैश्विक वर्चस्व: मानव सभ्यता के लिए अवसर, चुनौती और नैतिक प्रश्न

एन0के0शर्मा
लेखक

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जो केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि संपूर्ण सभ्यता के भविष्य को पुनर्परिभाषित कर देते हैं। जिस प्रकार अग्नि की खोज ने मानव जीवन को नया आयाम दिया, पहिए ने गति को जन्म दिया, मुद्रण कला ने ज्ञान का लोकतंत्रीकरण किया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन की परिभाषा बदली और इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक डिजिटल ग्राम में बदल दिया, उसी प्रकार आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अ१ॠ' क्ल३ी'ॅल्ली-अक) मानव इतिहास के सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि मानव की बौद्धिक क्षमताओं की कृत्रिम पुनर्रचना का ऐसा प्रयास है जो भविष्य की अर्थव्यवस्था, राजनीति, युद्ध, शिक्षा, चिकित्सा, संस्कृति, न्याय, मीडिया, श्रम, कूटनीति और मानव अस्तित्व तक को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

आज विश्व के शक्तिशाली राष्ट्र, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और अनुसंधान संस्थान अक को केवल तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि सामरिक शक्ति, आर्थिक प्रभुत्व और वैश्विक नेतृत्व के सबसे महत्वपूर्ण साधन के रूप में देख रहे हैं। इक्कीसवीं सदी का वास्तविक महाशक्ति संघर्ष केवल सीमाओं, तेल, गैस या परमाणु हथियारों का नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म, कंप्यूटिंग शक्ति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नियंत्रण का संघर्ष बन चुका है। जो राष्ट्र अकपर नियंत्रण स्थापित करेगा, वह भविष्य की वैश्विक व्यवस्था को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करेगा।

अक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी असाधारण दक्षता है। स्वास्थ्य सेवाओं में यह रोगों की शीघ्र पहचान, दवा अनुसंधान और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं को नई दिशा दे रहा है। कृषि में मौसम, मिट्टी और उत्पादन का वैज्ञानिक विश्लेषण किसानों की उत्पादकता बढ़ा सकता है। शिक्षा में प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार व्यक्तिगत शिक्षण संभव हो रहा है। न्यायिक व्यवस्था में विशाल कानूनी दस्तावेजों का विश्लेषण तेज हो सकता है। उद्योगों में स्वचालन लागत घटा रहा है। परिवहन में स्वचालित वाहन दुर्घटनाएँ कम करने की दिशा में प्रयासरत हैं। आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैज्ञानिक खोजों में भी अक अभूतपूर्व संभावनाएँ प्रस्तुत कर रहा है।

किन्तु प्रत्येक महान शक्ति अपने साथ एक महान उत्तरदायित्व भी लेकर आती है। वही अकजो मानवता के कल्याण का साधन बन सकता है, यदि अनियंत्रित, अनैतिक या पक्षपातपूर्ण रूप में विकसित हुआ, तो वह अभूतपूर्व संकटों को जन्म दे सकता है। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि विज्ञान स्वयं न तो नैतिक होता है और न अनैतिक; उसका स्वरूप इस बात से निर्धारित होता है कि उसका उपयोग किस उद्देश्य और किस मूल्यबोध के साथ किया जाता है।

अकके बढ़ते प्रभाव ने रोजगार के भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। स्वचालन के कारण लाखों पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं। विनिर्माण, बैंकिंग, ग्राहक सेवा, परिवहन, लेखांकन, पत्रकारिता, अनुवाद, विधिक विश्लेषण और यहाँ तक कि रचनात्मक क्षेत्रों में भी अक मानव श्रम का स्थान लेता दिखाई दे

रहा है। इससे आर्थिक असमानता बढ़ने का जोखिम है। जिन देशों के पास तकनीकी संसाधन और पूँजी होगी, वे अधिक समृद्ध होंगे, जबकि विकासशील देशों के लिए नई चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी। यदि कौशल विकास, पुनःप्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा की प्रभावी व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष गहरा सकता है।

अकका दूसरा बड़ा संकट निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का है। आज मनुष्य का प्रत्येक डिजिटल व्यवहार–उसकी खोज, पसंद, खरीदारी, संवाद, यात्रा और सामाजिक गतिविधियाँ–डेटा के रूप में संग्रहित हो रही हैं। यही डेटा अकका ईंधन है। प्रश्न यह है कि इस डेटा का स्वामी कौन है? क्या व्यक्ति को अपने डिजिटल अस्तित्व पर नियंत्रण प्राप्त है? यदि नागरिकों की प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखी जाए, तो लोकतंत्र और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का भविष्य क्या होगा? डिजिटल निगरानी की असीमित क्षमता मानवाधिकारों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

अकके संदर्भ में सबसे जटिल प्रश्न नैतिक उत्तरदायित्व का है। यदि किसी स्वचालित वाहन की त्रुटि से दुर्घटना हो जाए, यदि किसी अक आधारित चिकित्सकीय प्रणाली का निर्णय गलत सिद्ध हो जाए, यदि कोई एल्गोरिद्म किसी व्यक्ति के साथ जाति, लिंग, भाषा या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव करे, तो उत्तरदायी कौन होगा–प्रोग्रामर, निमार्ता, उपयोगकर्ता या स्वयं प्रणाली? वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएँ इन प्रश्नों का समुचित समाधान देने के लिए अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं।

युद्ध के क्षेत्र में अकका प्रभाव और भी चिंताजनक है। स्वायत्त हथियार प्रणालियाँ, ड्रोन, साइबर युद्ध, स्वचालित निगरानी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सैन्य निर्णय भविष्य के संघर्षों को अधिक तेज, जटिल और घातक बना सकते हैं। यदि जीवन और मृत्यु का निर्णय मशीनों के हाथों में चला जाए, तो मानवता के नैतिक सिद्धांतों की रक्षा कैसे होगी? यही कारण है कि अनेक विशेषज्ञ घातक स्वायत्त हथियारों पर वैश्विक नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता पर बल देते हैं।

लोकतंत्र भी अकसे अछूता नहीं है। झूठी सूचनाएँ, डीपफेक वीडियो, कृत्रिम रूप से निर्मित भाषण, फर्जी चित्र और संगठित डिजिटल प्रचार जनमत को प्रभावित कर सकते हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप, सामाजिक ध्रुवीकरण और सूचना का दुरुपयोग लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। सत्य और असत्य के बीच की रेखा जितनी धुंधली होगी, नागरिकों का विश्वास उतना ही कमजोर होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी अक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। क्या मशीनें कविता, संगीत, चित्रकला और साहित्य की आत्मा को समझ सकती हैं, या वे केवल उपलब्ध सामग्री के आधार पर नए संयोजन बनाती हैं? यदि सृजन का मूल्य केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित हो जाए, तो मानवीय संवेदना, कल्पना, अनुभव और आत्मानुभूति का स्थान क्या होगा? कला केवल परिणाम नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की अभिव्यक्ति है। इसलिए अकमानव रचनात्मकता का सहयोगी बन सकता है, उसका पूर्ण विकल्प नहीं।

विकासशील देशों, विशेषकर भारत के लिए अकएक ऐतिहासिक अवसर भी है। विशाल युवा आबादी, तकनीकी प्रतिभा, डिजिटल अवसंरचना और विविध सामाजिक आवश्यकताओं के कारण भारत अक आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, भाषा प्रौद्योगिकी और प्रशासनिक सुधारों में विश्व नेतृत्व की क्षमता रखता है। भारतीय भाषाओं में अकका विकास ज्ञान के लोकतंत्रीकरण का माध्यम बन सकता है। किन्तु इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक होगा कि तकनीकी प्रगति सामाजिक न्याय, समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता को कमजोर न करे।

भारतीय दार्शनिक परंपरा सदैव ज्ञान और नैतिकता के संतुलन पर बल देती रही है। केवल शक्ति पर्याप्त नहीं, बल्कि शक्ति का धर्मसम्मत उपयोग ही वास्तविक प्रगति का आधार है। यदि अक करुणा, न्याय, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और मानवीय गरिमा जैसे मूल्यों से निर्देशित नहीं होगा, तो वह सभ्यता के लिए उतना ही खतरनाक सिद्ध हो सकता है जितना कि कोई अनियंत्रित विनाशकारी अस्त्र।

विश्व समुदाय के सामने अब सबसे बड़ी आवश्यकता ऐसी वैश्विक व्यवस्था विकसित करने की है जिसमें अकका विकास प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग, पारदर्शिता और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा मानक, उत्तरदायी नियमन, डेटा सुरक्षा, एल्गोरिद्मिक पारदर्शिता, मानवाधिकारों का सम्मान और तकनीकी लाभों का न्यायपूर्ण वितरण भविष्य की स्थिरता के लिए अनिवार्य होंगे। अन्यथा अकका लाभ कुछ देशों और कंपनियों तक सीमित रह जाएगा, जबकि उसके दुष्परिणाम पूरी मानवता को भुगतने पड़ेंगे।

मानव सभ्यता का भविष्य इस प्रश्न पर निर्भर करेगा कि क्या मनुष्य अपनी ही बनाई बुद्धिमान मशीनों का विवेकपूर्ण संचालन कर पाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव मस्तिष्क की अद्भुत उपलब्धि है, परंतु यह मानव विवेक, संवेदना, नैतिकता और उत्तरदायित्व का स्थान नहीं ले सकती। तकनीक जितनी तेजी से विकसित हो रही है, उतनी ही तीव्रता से नैतिक चेतना का विकास भी आवश्यक है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब मनुष्य मशीनों का निमार्ता होकर भी उनके निर्णयों का मात्र अनुयायी बन जाएगा।

अंततः अकका वास्तविक प्रश्न तकनीक का नहीं, बल्कि मनुष्य का है। यह संघर्ष मशीन और मानव के बीच नहीं, बल्कि शक्ति और नैतिकता, सुविधा और स्वतंत्रता, दक्षता और गरिमा, प्रगति और उत्तरदायित्व के बीच है। यदि मानवता बुद्धि के साथ विवेक, विज्ञान के साथ नैतिकता और नवाचार के साथ करुणा को जोड़ सके, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता के स्वर्णिम युग का आधार बन सकती है। किन्तु यदि यह संतुलन टूट गया, तो वही तकनीक, जो मानव उत्थान का साधन बनने आई थी, इतिहास के सबसे बड़े नैतिक संकट का कारण भी बन सकती है। इसलिए भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कितनी बुद्धिमान होगी, बल्कि यह है कि उसे संचालित करने वाला मनुष्य कितना बुद्धिमान, उत्तरदायी और नैतिक होगा।

चेहरा नहीं, चरित्र की पहचान बनो

किशन भावनानीं

कविता

चेहरे की चमक पलभर में, समय कभी भी हर लेता है,
चरित्र का उजियारा लेकिन, युग-युग तक साथ रहता है।
रूप नहीं, व्यवहार बताता, इंसान कितना महान है,
चरित्र ही जीवन का सच्चा, सबसे ऊँचा सम्मान है।

चेहरा तो कुछ मिनटों में, दर्पण के आगे सँवर जाता,
चरित्र मगर हर दिन तपकर, जीवन भर में निखर पाता।
सत्य, दया, श्रम और विनय से, इसका रूप सँवारा जाए,
ऐसा जीवन जियो कि जग भी, सम्मान से शीश झुकाए।

रूप समय के साथ बदलता, यौवन भी ढल जाता है,
सच्चा चरित्र मृत्यु के बाद भी, लोगों में बस जाता है।
धन-दौलत सब यहीं रहेंगे, साथ नहीं कुछ जाएगा,
चरित्र का अमृत ही केवल, यश का दीप जलाएगा।

चेहरे पर मुस्कान सजाना, कोई कठिन कहानी नहीं,
मन को निर्मल रखना लेकिन, सबसे बड़ी साधना यही।
जिसके भीतर सत्य बसता, वही सदा महान कहलाता,
उसके हर छोटे से कर्म में, ईश्वर का आशीष समाता।

तारीफ कभी चेहरे की नहीं, चरित्र की पहचान बने,
हर इंसान के जीवन का बस, यही सबसे बड़ा धन बने।
ऐसे कर्म करो किशन कि दुनिया, नाम तुम्हारा गुनगुनाए,
सुंदर चेहरा नहीं, सुंदर चरित्र ही अमर हो जाए।

थकी हुई वर्दी, टूटता हुआ मन

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

किसी भी देश की कानून-व्यवस्था का सबसे दृश्यमान चेहरा पुलिस होती है। जब कोई अपराध होता है, दुर्घटना घटती है, दंगा भड़कता है, प्राकृतिक आपदा आती है या किसी नागरिक को तत्काल सहायता की आवश्यकता होती है, तो सबसे पहले पुलिस ही सामने दिखाई देती है। समाज उससे हर समय तत्पर, अनुशासित, निष्पक्ष और संवेदनशील रहने की अपेक्षा करता है। लेकिन विडंबना यह है कि जो व्यवस्था पूरे समाज को सुरक्षा का भरोसा देती है, उसी व्यवस्था के भीतर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की मानसिक सुरक्षा और भावनात्मक आवश्यकताओं पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। बाहर से रोबदार दिखने वाली वर्दी के भीतर भी एक संवेदनशील मन धड़कता है, जो लगातार बढ़ते तनाव, कार्यभार, पारिवारिक दूरियों और संस्थागत दबावों के बीच धीरे-धीरे टूटता चला जाता है।

हाल ही में पुलिस इंस्पेक्टर श्रवण कुमार बिश्नोई की आत्महत्या की खबर ने पूरे समाज को स्तब्ध कर दिया। किसी भी आत्महत्या के पीछे के कारणों का अंतिम निर्धारण केवल आधिकारिक जांच से ही संभव है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना उचित नहीं होगा। फिर भी यह दुखद घटना पुलिस बल में मानसिक तनाव, कार्य-संस्कृति और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना भी है, जहाँ कर्तव्य निभाते-निभाते कई बार इंसान स्वयं अपने भीतर हारने लगता है।

हमारे समाज में पुलिस की छवि अक्सर अधिकार, शक्ति और कठोरता से जुड़ी रही है। आम नागरिक मान लेते हैं कि पुलिसकर्मी भावनाओं से परे होते हैं, उन्हें दर्द नहीं होता, वे कभी नहीं टूटते। यही सबसे बड़ी भूल है। पुलिसकर्मी भी उसी समाज के सदस्य हैं। वे भी किसी के बेटे-बेटी, पति-पत्नी, माता-पिता और मित्र होते हैं। उन्हें भी अपनों की चिंता होती है, आर्थिक जिम्मेदारियाँ होती हैं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ होती हैं और भावनात्मक सहारे की आवश्यकता होती है। अंतर केवल इतना है कि वे अपने दुख को अक्सर वर्दी के भीतर

छिपाकर रखना सीख जाते हैं। पुलिस सेवा का वास्तविक स्वरूप फिल्मों और धारावाहिकों से बिल्कुल अलग है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का दिन कब शुरू होता है और कब समाप्त, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। आठ घंटे की ड्यूटी का सिद्धांत व्यवहार में शायद ही कहीं पूरी तरह लागू दिखाई देता है। त्योहार हों, चुनाव हों, वीआईपी दौरे हों, धरना-प्रदर्शन हों, प्राकृतिक आपदाएँ हों या अपराध की गंभीर घटनाएँ–हर स्थिति में सबसे पहले पुलिस को ही तैनात किया जाता है। कई बार लगातार चौबीस-चौबीस घंटे तक ड्यूटी करनी पड़ती है। पर्याप्त नींद, नियमित भोजन और पारिवारिक समय उनके जीवन में विलासिता बन जाते हैं। विश्वभर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि लगातार नींद की कमी, अत्यधिक कार्यभार और भावनात्मक तनाव किसी भी व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। पुलिसकर्मी प्रतिदिन हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटनाओं, घरेलू हिंसा, यौन अपराधों और अन्य दर्दनाक घटनाओं का सामना करते हैं। सामान्य नागरिक जिन दृश्यों को केवल समाचारों में देखते हैं, पुलिस उन्हें प्रत्यक्ष रूप से झेलती है। ऐसे अनुभव धीरे-धीरे मन पर गहरे घाव छोड़ते हैं। यदि समय पर भावनात्मक सहयोग न मिले, तो यही दबाव अवसाद, चिंता, चिड़चिड़ेपन और कई बार आत्मघाती विचारों तक पहुँच सकता है। पुलिस व्यवस्था की आंतरिक संरचना भी कई बार तनाव को बढ़ा देती है। वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव, समयबद्ध परिणाम देने की अपेक्षा, राजनीतिक हस्तक्षेप, संसाधनों की कमी और निरंतर जवाबदेही अधीनस्थ कर्मचारियों के मानसिक बोझ को कई गुना बढ़ा देती है। अनुशासन किसी भी सुरक्षा बल की आवश्यकता है, लेकिन अनुशासन और मानवीय संवेदनशीलता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यदि अधीनस्थ कर्मचारी अपनी समस्याएँ खुलकर साझा करने से डरने लगें, तो तनाव भीतर ही भीतर विस्फोटक रूप ले सकता है। पारिवारिक जीवन भी पुलिस सेवा की सबसे बड़ी कीमत चुकाता है। पुलिसकर्मी अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते, माता-पिता की बीमारी में उपस्थित नहीं हो पाते और कई बार पारिवारिक समारोहों तक में शामिल नहीं हो पाते। लगातार अनुपस्थिति से परिवारों में भावनात्मक दूरी बढ़ने लगती है। कई पुलिसकर्मी अपने व्यक्तिगत तनाव को परिवार से छिपाते हैं ताकि घर वाले चिंतित न हों, जबकि परिवार अपनी समस्याएँ उनसे इसलिए नहीं कह पाता कि वे पहले ही बहुत तनाव में हैं। यह मौन धीरे-धीरे मानसिक अकेलेपन में बदल जाता है। समाज भी इस समस्या को पूरी गंभीरता से नहीं समझता। जब पुलिस कोई गलती करती है, तो आलोचना होना स्वाभाविक है। जवाबदेही लोकतंत्र का आवश्यक तत्व है। लेकिन हर पुलिसकर्मी को केवल कठोर, असंवेदनशील या भ्रष्ट मान लेना न्यायसंगत नहीं है। हजारों पुलिसकर्मी सीमित संसाधनों और अत्यधिक दबाव के बीच ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियाँ निभाते हैं। वे भी सम्मान और संवेदनशील व्यवहार के अधिकारी हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पुलिस बल में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलापन आज भी पर्याप्त नहीं है। यदि कोई कर्मचारी मनोवैज्ञानिक सहायता लेना चाहता है, तो कई बार उसे कमजोरी समझ लिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक लोग अपने भीतर की पीड़ा को वर्षों तक दबाए रखते हैं। वे मुस्कुराते हुए ड्यूटी करते हैं, लेकिन भीतर से टूटते रहते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर चुप्पी किसी भी संस्था के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है। अब समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस सुधारों का है। सबसे पहले पुलिसकर्मियों के कार्य घंटे यथासंभव मानवीय बनाए जाने चाहिए। पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति कर कार्यभार का न्यायसंगत वितरण किया जाए। लगातार ड्यूटी के बाद अनिवार्य विश्राम सुनिश्चित हो। साप्ताहिक अवकाश और पारिवारिक समय केवल कागजों तक सीमित न रहें। प्रत्येक जिले में पेशेवर मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। गोपनीय काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम, हेल्पलाइन और नियमित मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण पुलिस व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बनाए जाने चाहिए।

यदि हम पृथ्वी को स्वस्थ रखने के लिए काम करते हैं तो पृथ्वी हमें स्वस्थ रखती है : मांगें राम चौहान

प्रकृति एक जीवित प्रणाली है। जब हम उसे घाव देते हैं, तो वह घाव अंततः हमारे शरीर और आत्मा पर आकर लगते हैं। इसके विपरीत, जब हम पृथ्वी को चंगाई प्रदान करते हैं, तो वह हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से चंगाई लौटाती है। यह कोई काल्पनिक भावना नहीं, बल्कि विज्ञान और अनुभव दोनों द्वारा सिद्ध सत्य है। आज विश्व स्तर पर जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वन कटाई और जैव विविधता का ह्रास पृथ्वी के घाव हैं। इन घावों का प्रभाव हम पर पड़ रहा है–सांस की बीमारियाँ बढ़ रही हैं, तनाव और अवसाद आम हो गए हैं, प्राकृतिक आपदाएँ लगातार हो रही हैं। लेकिन जो समुदाय और व्यक्ति पृथ्वी को हील करने में जुटे हैं, उन्हें प्रकृति अद्भुत उपहार दे रही है। वन रोपण इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। जब हम जंगलों को पुनर्स्थापित करते हैं, तो पेड़ कार्बन सोखते हैं, ऑक्सीजन देते हैं और वायु को शुद्ध करते हैं। परिणामस्वरूप हमारे फेफड़े स्वस्थ रहते हैं, श्वास रोग कम होते हैं। जंगल न केवल हवा ठंडी करते हैं बल्कि वर्षा का चक्र भी संतुलित रखते हैं। इससे सूखा और बाढ़ जैसी आपदाएँ घटती हैं, जिससे हमारी फसलें और घर सुरक्षित रहते हैं। नदियों को साफ करना पृथ्वी को हील करने का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है। जब हम गंगा, यमुना या स्थानीय नदियों से कचरा और प्रदूषण हटाते हैं, तो जल शुद्ध होता है। यह शुद्ध जल हमारे शरीर को हील करता है। स्वच्छ पानी पीने से पेट की बीमारियाँ घटती हैं, त्वचा स्वस्थ रहती है और समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है। साथ ही, स्वस्थ नदियाँ मछलियों और

जल-पक्षियों को जीवित रखती हैं, जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखती हैं। मिट्टी को हील करना भी उतना ही जरूरी है। रासायनिक खादों के बजाय जैविक खेती, खाद और कंपोस्टिंग अपनाने से मिट्टी की उर्वरता लौटती है। स्वस्थ मिट्टी पौष्टिक अन्न देती है, जो हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। सूक्ष्म जीवों से भरपूर मिट्टी हमें अप्रत्यक्ष रूप से हील करती है। मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकृति का प्रभाव सबसे गहरा है। जंगल में समय बिताना, पेड़ लगाना या नदी किनारे चलना तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल) को कम करता है। शोध बताते हैं कि हरे-भरे वातावरण में रहने वाले लोगों में अवसाद और चिंता की दर कम होती है। पृथ्वी को हील करने का कार्य हमें उद्देश्य देता है, जो अकेलेपन और निराशा से बचाता है। भारतीय संस्कृति में यह सिद्धांत प्राचीन काल से विद्यमान है। 'धरती माता' की अवधारणा हमें सिखाती है कि माता को स्वस्थ रखने वाला पुत्र स्वयं स्वस्थ रहता है। गांधीजी ने कहा था कि प्रकृति की जरूरत से ज्यादा लेना चोरी है। जब हम इस चोरी को रोकते हैं और पृथ्वी को लौटाते हैं, तो वह हमें शांति और समृद्धि देती है। आज हर व्यक्ति, समाज और सरकार को यह समझना होगा कि पृथ्वी को हील करना आत्म-रक्षा का सबसे प्रभावी तरीका है। प्रत्येक घर में पौधे लगाएँ, कचरा अलग करें, पानी बचाएँ, प्लास्टिक कम करें और जैविक जीवनशैली अपनाएँ। निष्कर्षतः, पृथ्वी और मनुष्य का संबंध माता-पुत्र का है। यदि हम माता को घावों से मुक्त रखेंगे, तो वह हमें निरोगी, प्रसन्न और संतुलित जीवन देगी। यह reciprocity का नियम है–जो हम देते हैं, वही हमें लौटता है। पृथ्वी को हील रखने का कार्य न केवल हमारा नैतिक दायित्व है, बल्कि हमारे स्वस्थ भविष्य की गारंटी भी है। जब हम पृथ्वी को हील करेंगे, तभी पृथ्वी हमें सचमुच हील करेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

डीएम की अध्यक्षता में सांसद निधि, विधायक निधि, मनरेगा, एमडीएम एवं आजीविका मिशन योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में जनपद में विकास कार्यों की गति बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण योजनाओं के निर्माण कार्यों की बैठकों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सांसद निधि / विधायक निधि एवं मनरेगा के अंतर्गत संचालित कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सांसद/विधायक निधि से स्वीकृत सड़क, इंटरलॉकिंग, नाली, सामुदायिक भवन एवं विद्यालय मरम्मत के कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं। लंबित कार्यों का कारण सहित आख्या प्रस्तुत की जाए। मनरेगा के अंतर्गत अमृत सरोवर, गोवंश आश्रय स्थल, ग्रामीण संपर्क मार्ग, वृहद वृक्षारोपण एवं तालाब जीर्णोद्धार के कार्यों में अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

सभी कार्यों की जियो-टैगिंग, फोटो अपलोडिंग एवं ई-मस्टरोल का सत्यापन समय से सुनिश्चित किया जाए। मनरेगा योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय समिति (DLC) की बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना एवं प्रगति की समीक्षा की गई। जनपद को 100 दिवस रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया।

वृहद वृक्षारोपण, जल संरक्षण, खेत तालाब एवं आंगनबाड़ी/पंचायत भवन निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। श्रमिकों का शत-प्रतिशत जॉब कार्ड सत्यापन एवं आधार सीडिंग पूर्ण की जाए।

लंबित मजदूरी भुगतान 15 दिन के अंदर DBT से भेजा जाए। सोशल ऑडिट एवं ग्राम सभा में कार्यों की स्वीकृति अनिवार्य रूप से कराई जाए। जिला आजीविका मिशन एवं DLCC की बैठकजिला आजीविका मिशन NRLM एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में स्वयं सहायता समूहों की प्रगति की समीक्षा की गई। नये स्वयं सहायता समूहों का गठन कर उन्हें बैंक से ऋण लिंकेज कराया जाए। समूहों को बैंक सखी, सामुदायिक कैडर एवं उत्पादों के विपणन हेतु प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, ODOP एवं अन्य योजनाओं से समूहों को जोड़ा जाए। आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित FPO एवं क्लस्टर को बाजार उपलब्ध कराने हेतु कार्ययोजना बनाई जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने की मेडिकल प्रतिष्ठानों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं फायर एनओसी की प्रगति की समीक्षा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मण्डलायुक्त डॉ. रूपेश कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय कक्ष में मेडिकल प्रतिष्ठानों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं फायर एनओसी की प्रगति की समीक्षा की गयी। मण्डलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को डीपीआर के अनुरूप अग्निशमन व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण कर फायर एनओसी उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए ताकि सभी चिकित्सा संस्थानों में कार्यकारी अधिकारी, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेशों के क्रम में निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो सके। बैठक में अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी मुजफ्फरनगर डॉ. सुनील तेवतिया, मुख्य अग्निशमन अधिकारी सहारनपुर प्रताप सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण एवं कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. हरेन्द्र मिश्रा ने हापुड़ में खाद आपूर्ति, उपलब्धता और वितरण व्यवस्था का किया निरीक्षण

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में भ्रमण के दौरान जिला कृषि अधिकारी के दो उर्वरक निमार्ताओं एवं दो उर्वरक विक्रेताओं के यहाँ अचानक पहुँच कर खाद की बिक्री की जाँच की। संयुक्त कृषि निदेशक (उर्वरक) ने खाद की दुकान से आज खाद खरीदने वाले पाँच कृषकों को फोन कर बिक्री का सत्यापन किया। सभी कृषकों ने बताया कि उन्होंने यूरिया 266.50 रुपए प्रति बैग की दर से खरीदा है। किसी भी कृषक को खाद के साथ अन्य कोई उत्पाद जबरदस्ती नहीं दिया गया है। डॉ. हरेन्द्र मिश्रा ने जानकारी दी गई कि वर्तमान खरीफ सीजन में प्रदेश को लगभग 41 लाख मी० टन यूरिया की आवश्यकता है। जून तक का लक्ष्य 27 लाख मी० टन था। 3 जुलाई तक प्रदेश में 28 लाख मी० टन यूरिया उपलब्ध कराया जा चुका है और आज की तिथि में 15.8 लाख मी० टन यूरिया उपलब्ध है, जो वर्तमान खरीफ सीजन में पर्याप्त है। इसी प्रकार वर्तमान खरीफ सीजन में प्रदेश में 10 लाख मी० टन डी ए पी की आवश्यकता है। जून तक 6 लाख मी० टन लक्ष्य के सापेक्ष 7.57 लाख मी० टन की उपलब्धता कराई जा चुकी है और आज 5.23 लाख मी० टन डी ए पी उपलब्ध है, जोकि वर्तमान में पर्याप्त है। डॉ. हरेंद्र मिश्रा ने मीडिया से वार्ता के दौरान किसान भाइयों से अपील की कि प्रदेश में वर्तमान खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त यूरिया और डी ए पी उपलब्ध है। जनपद हापुड़ में विगत वर्ष जुलाई 2025 में 7653 मी. टन यूरिया की बिक्री हुई थी और आज की तिथि में जनपद हापुड़ में लगभग 7 हजार मी० टन यूरिया की उपलब्धता है, जोकि पर्याप्त है। इसके अतिरिक्त नियमित अंतराल पर आवश्यकता अनुरूप यूरिया प्रेषित की जा रही है। इसी प्रकार पिछले वर्ष जुलाई 2025 में हापुड़ में 768 मी० टन डी ए पी की बिक्री हुई थी। आज की तिथि में जनपद हापुड़ में लगभग 4 हजार मी० टन डी ए पी उपलब्ध है, जो कि अगले तीन माह के लिये पर्याप्त है। किसी भी कृषक को खाद में ओवर रेटिंग और टैगिंग किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी।जिला कृषि अधिकारी गौरव प्रकाश ने भी किसान भाइयों से अपील की कि वर्तमान में खरीफ फसलों के लिये पर्याप्त खाद है और किसी भी किसान को इसमें संदेह नहीं रखना है। किसान भाई खाद की संस्तुत मात्रा का ही प्रयोग करें। यदि कोई खाद विक्रेता ओवर रेटिंग या टैगिंग करता है तो इसकी सूचना कार्यालय में दें। वर्तमान में शासनादेश के अनुसार प्रति हेक्टेयर 7 बैग यूरिया और 5 बैग डी ए पी का वितरण किया जा रहा है। खाद की कालाबाजारी पर लगातार नजर रखी जा रही है और कालाबाजारी करने वालों पर सख़्त कार्यवाही की जाएगी।

पिलखुवा मारवाड़ चौकी इंचार्ज कि पुलिस टीम ने चोरी के माल के साथ तीन शातिर चोर गिरफ्तार

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के थाना पिलखुवा कोतवाली की मारवाड़ चौकी इंचार्ज गौरव वशिष्ठ की पुलिस ने दुकानों में चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया जिनके कब्जे से पुलिस ने चोरी का एक प्रिंटर,5 डिब्बे मोबिल ऑयल,दो गैस सिलेंडर,3,230 रुपए नकद, दो मोटरसाइकिल,एक अवैध असलहा,दो अवैध चाकू बरामद किए हैं।गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज उर्फ बोडा पुत्र आस मोहम्मद निवासी आजमपुर दहपा पिलखुवा जिला हापुड़,अमन पुत्र सिद्धू निवासी मोहल्ला कुरेशियान थाना जारचा जिला गौतमबुद्धनगर और सोनू पुत्र आस मोहम्मद निवासी ग्राम आजमपुर दहपा थाना पिलखुवा जिला हापुड़ है। गिरफ्तार किए गए परवेज के खिलाफ चार, अमन के खिलाफ तीन व सोनू के खिलाफ तीन मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने बताया कि 26 अप्रैल की रात में उन्होंने नयागांव रोड अनवरपुर मोटरसाइकिल,स्कूटर रिपेयरिंग व परचून की दुकान और एक जून की रात में मोनाड यूनिवर्सिटी के सामने चौहान फोटो स्टेट की दुकान में सेंध लगाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपियों को मोनाड़ यूनिवर्सिटी से राष्ट्रीय राजमार्ग के रास्ते से गिरफ्तार किया है जिन्हें पुलिस ने जेल भेज दिया है।

आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों, मंदिर पुजारियों एवं शिविर संचालकों के साथ की बैठक

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह की अध्यक्षता में जनपदीय अधिकारियों, प्रमुख शिव मंदिरों के पुजारियों/प्रबंधकों एवं कांवड़ मार्ग पर शिविर लगाने वाले संगठनों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने मंदिर समितियों एवं पुजारियों से समन्वय कर दर्शन व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए। सभी प्रमुख मंदिरों में जिग-जैग बैरिकेडिंग, अलग अलग प्रवेश-निकास द्वार, महिला/दिव्यांग/वरिष्ठ नागरिकों हेतु अलग लाइन एवं पर्याप्त वॉलेंटियर लगाए जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर लगने वाले सभी भंडारा/सेवा शिविरों का पंजीकरण उप जिलाधिकारी कार्यालय में कराना अनिवार्य है। शिविर में सी सी टी वी, अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार, पेयजल, शौचालय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था होनी चाहिए। डी0जे की ऊंचाई अधिकतम 12 फीट एवं ध्वनि 75 डेसीबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का कड़ाई से पालन हो। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल, पीएसी, ड्रोन एवं सी सी टी वी से निरंतर निगरानी की जाय।संवेदनशील स्थानों पर महिला पुलिसकर्मी एवं पिंक बूथ तैनात रहेंगे। अफवाह फैलाने वालों पर एन एस ए के तहत कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक 2-3 किमी पर चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, ओ आर एस एवं पेयजल के टैंकर/प्याऊ लगाए जाएं। शिविर संचालक अपने शिविर में प्राथमिक उपचार किट अवश्य रखें। नगर निकाय एवं विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट, मोबाइल टॉयलेट, डस्टबिन एवं नियमित सफाई की व्यवस्था हो। शिविर संचालक अपने शिविर के आसपास सफाई स्वयं सुनिश्चित करें।खाद्य सुरक्षा अधिकारी सभी शिविरों में बनने वाले भोजन एवं प्रसाद की गुणवत्ता जांचेंगे। मीट-मांस की दुकानें मार्ग से 100 मीटर दूर एवं ढकी होंगी। रेट लिस्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य है कंट्रोल रूम 24x7 सक्रिय रहेगा। पुलिस सहायता बूथ एवं हेल्पलाइन 112, 108 का व्यापक प्रचार प्रसार हो। शिविर संचालक किसी भी आपात स्थिति में तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, समस्त एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, सीएमओ, डीआईओ, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग/विद्युत/जल निगम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, मंदिर समितियों के पदाधिकारी एवं शिविर संचालक उपस्थित रहे।

सिखैडा गांव में करोड़ों रुपए की भूमि से अवैध कब्जा, बाउंड्री ध्वस्त

उपजिलाधिकारी के निर्देश पांच सदस्यीय टीम ने नायब तहसीलदार के नेतृत्व में की कार्रवाई

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के धौलाना ग्राम सिखैडा की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर चाहरदीवारी कर मिट्टी भराव करने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए तहसील प्रशासन ने करोड़ों रुपए की भूमि कब्जा मुक्त कराई है। एसडीएम के आदेश पर राजस्व विभाग और पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। नायब तहसीलदार दिव्यांशी सिंह ने बताया कि प्रशासन को सरकारी भूमि खसरा नंबर 1098 की 0.0890 हेक्टेयर भूमि सरकारी अभिलेखों में ऊसर दर्ज है।शिकायतकर्ता ने भूमि को कब्जामुक्त कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत कर कहा कि पुलिस चौकी सिखैड़ा के सामने धौलाना-पिलखुवा मार्ग स्थित सरकारी ऊसर भूमि पर कब्जा कर चाहरदीवारी कर मिट्टी भराव कर लिया गया है। करोड़ों रुपए की संपत्ति को मिली भगत कर कब्जा किया गया है। शिकायत पर जांच की गई।जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद निर्धारित समयावधि में कब्जा नहीं हटाए जाने पर प्रशासनिक टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची और अवैध रूप से निर्मित बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया गया है। इस दौरान नायब तहसीलदार दिव्यांशी सिंह, लेखपाल अनुज कुमार, राघवेन्द्र सिंह, दयानन्द शर्मा समेत अन्य उपस्थित रहे।एसडीएम धौलाना मनोज सिंह ने बताया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तहसील क्षेत्र में सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने से बचें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हापुड़ में 21 अगस्त से 23 तक किया जायेगा विशेष लोक अदालत का आयोजन

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर 'समाधान समारोह-2026' के अंतर्गत 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को उच्चतम न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ऐसे मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण कराना है, जिनमें समझौते की संभावना मौजूद है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड़ के सचिव सौरभ कुमार वर्मा ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के अनुपालन में जनपद स्तर पर व्यापक तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके तहत सर्वोच्च न्यायालय में लंबित समझौता योग्य मामलों के पक्षकारों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है और प्री-लोक अदालत सुलह बैठकों का आयोजन भी किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण आपसी सहमति से कराया जा सके। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पक्षकारों को आवश्यक विधिक सहायता, परामर्श और मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि समझौते के योग्य मामलों में पक्षकार बिना अनावश्यक विलंब के सहमति बनाकर अपने विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर सकें। सौरभ कुमार वर्मा ने जनपद के सभी सरकारी विभागों, अधिवक्ताओं और पक्षकारों से अपील की है कि यदि उनका कोई मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है और उसमें समझौते की संभावना है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हापुड से संपर्क कर इस विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आपसी समझौते से विवादों का समाधान होने पर न केवल वर्षों तक चलने वाली कानूनी प्रक्रिया से राहत मिलती है, बल्कि समय, धन और ऊर्जा की भी बचत होती है। उन्होंने यह भी कहा कि पारिवारिक, सामाजिक और अन्य समझौतायोग्य मामलों में आपसी सहमति से समाधान निकलने पर रिश्तों में सौहार्द बना रहता है और न्याय भी शीघ्र प्राप्त होता है।

सिम्स के एमबीबीएस छात्रों ने गाजियाबाद जल शोधन संयंत्र का किया शैक्षणिक भ्रमण, सुरक्षित पेयजल एवं जनस्वास्थ्य प्रबंधन की प्रक्रियाओं को जाना

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के पिलखुवा स्थित गांव अनवरपुर में सामुदायिक चिकित्सा शिक्षा को व्यवहारिक अनुभवों से जोड़ने की अपनी सतत प्रतिबद्धता के तहत सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SIMS), अनवरपुर, हापुड़ के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा 30 जून से 3 जुलाई 2026 तक एमबीबीएस तृतीय वर्ष (बैच-2023) के विद्यार्थियों के लिए गाजियाबाद स्थित जल शोधन संयंत्र (Water Treatment Plant) का शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।चार दिवसीय इस शैक्षणिक कार्यक्रम में लगभग 250 एमबीबीएस विद्यार्थियों ने विभिन्न बैचों में भाग लिया। यह भ्रमण कम्पीटेंसी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन (CBME) पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित पेयजल की शुद्धिकरण प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना था।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने जल शोधन की संपूर्ण प्रक्रिया को निकट से देखा एवं समझा।

विशेषज्ञों ने कच्चे पानी के संग्रहण से लेकर एरेशन, कोएगुलेशन, फ्लोकुलेशन, अवसादन (Sedimentation), निस्पंदन (Filtration), क्लोरीनीकरण (Chlorination), प्रयोगशाला में जल गुणवत्ता परीक्षण, भंडारण तथा उपभोक्ताओं तक सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की सम्पूर्ण प्रणाली का विस्तृत प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि नियमित गुणवत्ता परीक्षण एवं वैज्ञानिक निगरानी के माध्यम से पेयजल को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित बनाए रखा जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जलजनित रोगों की रोकथाम, पर्यावरणीय स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियंत्रण, जल गुणवत्ता निगरानी तथा समुदाय में सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के महत्व को व्यवहारिक रूप से समझा। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण का संचालन एवं मार्गदर्शन सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. (ब्रिगेडियर) विनीत रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया।

उन्होंने कहा कि एक सक्षम चिकित्सक बनने के लिए केवल रोगों का उपचार जानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोगों की रोकथाम, स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित पेयजल एवं जनस्वास्थ्य व्यवस्था की गहन समझ भी उतनी ही आवश्यक है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान, विश्लेषणात्मक सोच तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं।भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ विभाग के संकाय सदस्य, वरिष्ठ रेजिडेंट एवं स्नातकोत्तर रेजिडेंट उपस्थित रहे। इनमें डॉ.विनय कुमार, डॉ. कोनिका गुप्ता,डॉ. शुभम कुमार शर्मा,डॉ. सिनीश टी.वी.,डॉ. अरशद हुसैन, डॉ.विकार अहमद, डॉ. पल्लवी, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ.सानोजा श्रिया एवं डॉ. ललित दीक्षित शामिल रहे। सभी संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं सफल बनाया।भ्रमण के समापन अवसर पर डॉ. (ब्रिगेडियर) विनीत रस्तोगी ने माननीय चेयरमैन डॉ. जे. रामचन्द्रन एवं वाइस चेयरपर्सन रम्या रामचन्द्रन की ओर से तनवीर मिर्जा (जूनियर इंजीनियर), इमैनुअल राणा तथा जल शोधन संयंत्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट सहयोग, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपयोगी जानकारी के लिए आभार व्यक्त किया।सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी संकाय सदस्यों, वरिष्ठ रेजिडेंट, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों, ट्यूटर्स एवं सहयोगी कर्मचारियों के योगदान की भी सराहना की।यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इससे उन्हें पर्यावरणीय स्वास्थ्य, जल स्वच्छता, जनस्वास्थ्य, महामारी विज्ञान, निवारक चिकित्सा तथा सुरक्षित पेयजल आपूर्ति प्रणाली की व्यवहारिक समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि किस प्रकार आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों एवं सतत गुणवत्ता नियंत्रण के माध्यम से लाखों लोगों तक सुरक्षित पेयजल पहुँचाया जाता है।सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, अनवरपुर, हापुड़ भविष्य में भी ऐसे नवाचारपूर्ण एवं अनुभवात्मक शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ वास्तविक जनस्वास्थ्य प्रणालियों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके और वे समाज के प्रति संवेदनशील, सक्षम एवं उत्तरदायी चिकित्सक बन सकें।

भाजपा वज्यूला मंडल की मासिक बैठक सम्पन्न -संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर हुआ मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गरूड़। दिनेश नेगी,भारतीय जनता पार्टी वज्यूला मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष दयाकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट ने कार्यकताओं के साथ सँगठन कि मजबूती को लेकर चिंतन किया।

उन्होंने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सफलतम पाँच वर्ष के कार्यकाल पर बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात', विभिन्न मोर्चों की गतिविधियों, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही संगठन द्वारा आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया गया।बैठक के मुख्य वक्ता किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र परिहार रहे।

उन्होंने कार्यकताओं से संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने तथा सेवा, समर्पण एवं संगठन की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, अनुसूचित मोर्चा के कुमाऊं संयोजक जगदीश आर्य एवं जिला महामंत्री घनश्याम जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान इंद सिंह बिष्ट, कविता परिहार, नंदन थापा, अजय पांडे, भुबन जोशी, दीपक खुल्बे, मदन सिंह, रमेश नाथ, राजेंद्र रावत, संजय रायता, नंदन सजवाण, रमेश कैड़ा, विजय थापा, पंकज राणा सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आप सभी का यह विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है : मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सेवक के रूप में जनसेवा के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ऋषिकेश में आयोजित 'सेवा, सुशासन एवं समर्पण - जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' (सेवा पखवाड़ा) कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया।

उन्होंने कहा कि आप सभी ने जिस आत्मीयता, स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के साथ मेरा स्वागत किया, उससे भावविभोर हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी का यह विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है जो प्रदेशहित में साहसिक निर्णय लेने और दिन-रात उत्तराखण्ड की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जब तक जनसेवा का यह दायित्व मेरे कंधों पर है, मेरा प्रत्येक क्षण, प्रत्येक प्रयास और प्रत्येक संकल्प देवभूमि उत्तराखण्ड की सवा करोड़ जनता की सेवा एवं प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित रहेगा।

जलभराव से परेशान छात्र-छात्राएं, वर्षों से तालाब बनी सड़क पर होकर स्कूल जाने को मजबूर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। विकास खंड गोवर्धन की ग्राम पंचायत अडींग के भवनपुरा मार्ग पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर भरे पानी के कारण स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर दो निजी विद्यालय संचालित हैं, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे इसी रास्ते से स्कूल पहुंचते हैं छात्र-छात्राओं का कहना है कि वर्षों से सड़क पर जलभराव की समस्या बनी हुई है। कई बार स्कूल जाते समय पानी और कीचड़ में फिसलने से उनकी ड्रेस और जूते खराब हो जाते हैं, जिसके चलते उन्हें वापस घर लौटना पड़ता है। इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती है। बच्चों ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार विद्यालय के प्रधानाचार्य को दी गई। प्रधानाचार्य ने भी ग्राम पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव मनीष भंडारी ने बताया कि मार्ग पर सीसी सड़क बनी हुई है, लेकिन कुछ स्थानीय लोगों द्वारा नाली का पानी अवरुद्ध कर दिया गया है। इसी वजह से सड़क पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही समस्या का समाधान कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम देहरादून द्वारा 'क्विक रिस्पॉन्स टीम' का शुभारम्भ किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आपदा की परिस्थितियों में त्वरित राहत उपलब्ध कराने की दिशा में नगर निगम देहरादून द्वारा 'क्विक रिस्पॉन्स टीम' का शुभारम्भ किया गया। इस अभिनव पहल के अंतर्गत नगर निगम द्वारा 5 समर्पित क्विक रिस्पॉन्स टीम वाहनों को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया है।

इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री (शहरी विकास) राम सिंह कैडा, माननीय महापौर सौरभ थपलियाल एवं नगर आयुक्त आलोक कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से क्यूआरटी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री (शहरी विकास) राम सिंह कैडा एवं माननीय महापौर सौरभ थपलियाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम देहरादून द्वारा प्रारम्भ की गई क्विक रिस्पॉन्स टीम नागरिकों को आपातकालीन स्वच्छता सेवाएं समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि यह सेवा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ आपदा एवं विशेष परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगी तथा नागरिकों को शीघ्र राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम द्वारा 5 समर्पित क्यूआरटी वाहनों को विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया है तथा प्रत्येक वाहन में 6 प्रशिक्षित कार्मिकों की टीम कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि क्यूआरटी के माध्यम से प्राप्त शिकायतों एवं आपातकालीन स्वच्छता संबंधी सूचनाओं पर टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। नागरिकों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-4571 जारी किया गया है, जिस पर संपर्क कर क्यूआरटी सेवा का लाभ लिया जा सकता है। कार्यक्रम में नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय, आईएएस, उप नगर आयुक्त तनवीर मरवाह, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद कुमार शुक्ला, सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान सहित नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर निगम के सम्मानित पार्षदगण भी उपस्थित रहे।

मानसीगंगा की सुरक्षा को लेकर तीसरे दिन भी जारी रहा आमरण अनशन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मानसीगंगा की सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं के हितों से जुड़ी मांगों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता विनोदी सिंह चौधरी का आमरण अनशन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। देर रात उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह अनशन स्थल पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विनोदी सिंह से वार्ता कर स्वास्थ्य का हालचाल जाना और अनशन समाप्त करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने उनकी मांगों पर शासन-प्रशासन स्तर पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाते हुए अनशन खत्म करने की अपील की। हालांकि विनोदी सिंह ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस कार्रवाई और लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक वह आमरण अनशन समाप्त नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि मानसीगंगा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, अव्यवस्थाओं को दूर करने तथा आवश्यक सुविधाओं की लंबे समय से उपेक्षा की जा रही है। कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इसी कारण उन्हें आमरण अनशन का रास्ता अपनाना पड़ा है। अनशन स्थल पर दिनभर विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। समर्थकों ने आंदोलन को जनहित से जुड़ा बताते हुए प्रशासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर विवाद गहराया

वेलकम इंडिया संवाददाता

- चित्र गुप्त पीठाधीश्वर का ऐलान 9 अगस्त क्रांति दिवस के दिन ढहाएंगे विवादित ढांचा
- पीठाधीश्वर सच्चिदानंद महाराज को निमोर्ही अखाड़े से मिला कार सेवा का समर्थन

मथुरा/गोवर्धन। कस्बा राधाकुण्ड स्थित जुलहेंदी चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने भगवान श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर के पास बने विवादित ढांचे को लेकर बयान जारी कर राजनैतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। चित्र गुप्त पीठाधीश्वर ने साध्वी रितम्भरा के उस बयान को दुहरा दिया, जो उन्होंने अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर मुक्ति के दौरान दिया था। सच्चिदानंद ने बयान जारी करते हुए कहा, एक धक्का और दो, ये गुम्बद भी तोड़ दो? इस बयान के बाद निमोर्ही अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीताराम दास ने भी उनका समर्थन किया है। गौरतलब है कि बीते दिनों यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ ने हाथरस दौरे के दौरान भगवान श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति के लिए बयान दिया था। उनके बयान के बाद सच्चिदानंद महाराज ने विवादित ढांचा तोड़ने का बयान जारी कर दिया। शनिवार को सच्चिदानंद महाराज गोवर्धन निमोर्ही अखाड़े पर पहुंचे। निमोर्ही अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता संत सीताराम दास महाराज ने कार सेवा करने के लिए समर्थन दिया। निमोर्ही अखाड़े के संतों ने कृष्ण जन्म भूमि की मुक्ति के लिए कार सेवा का समर्थन करते पूर्व सीएम अखिलेश यादव को भी इस नेक काम में शामिल होने के लिए आग्रह किया। निमोर्ही अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता संत सीताराम दास महाराज ने कहा अखिलेश यादव आपको भगवान कृष्ण स्वप्न में दीखते हैं, आप उनके बंशज हैं, उनके मंदिर की मुक्ति के लिए आगे आने की बात कही। चित्र गुप्त पीठाधीश्वर सच्चिदानंद महाराज ने कहा 9 अगस्त को अगस्त क्रांति के दिन लाखों की संख्या में सनातनी हिन्दूओं के साथ कार सेवा करने के लिए कूच करेंगे। और विवादित ढांचे को तोड़ फेकेंगे।

प्रशासन ने हटाया था अतिक्रमण, अब फिर कब्जे की कोशिश का आरोप; एसएसपी व मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/छाता। थाना क्षेत्र के गांव बिलौठी में एक व्यक्ति ने अपनी कृषि भूमि पर दोबारा अवैध कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि राजस्व विभाग और पुलिस की जांच में आरोप सही पाए जाने तथा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने के बावजूद आरोपी एक बार फिर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। मथुरा, राधापुरम एस्टेट निवासी राजेश माहेश्वरी ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनकी कृषि भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के निकट स्थित है। उनके अनुसार, सामने स्थित खसरा संख्या 246/94 की भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग के छह लेन निर्माण के लिए वर्ष 2013 में अधिग्रहित हो चुकी थी और संबंधित व्यक्ति को उसका मुआवजा भी मिल चुका था। इसके बावजूद आरोपी ने कथित रूप से फर्जी अभिलेखों के आधार पर उक्त भूमि का दूसरे व्यक्ति के नाम बैनामा करा दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल सहित विभिन्न अधिकारियों से की गई थी। राजस्व विभाग और पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया शिकायत सही पाई गई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध अतिक्रमण हटवा दिया। राजेश माहेश्वरी का आरोप है कि अवैध कब्जा हटाए जाने के बाद भी आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है और अब फिर से जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि आरोपी उनकी भूमि को अपनी बताते हुए विवाद उत्पन्न कर रहा है। विरोध करने पर गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के भी आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने बताया कि आरोपी साधु के भेष में फर्जी कागजात तैयार कर अपनी जमीन को बेच चुका है। पीड़ित ने एसएसपी से मांग की है कि पूर्व में हुई जांच रिपोर्टों और प्रशासनिक कार्रवाई को आधार बनाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

हरिद्वार के कश्यप घाट पर चला विशेष स्वच्छता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार के ऋषिकुल चौक स्थित कश्यप घाट पर विशेष स्वच्छता एवं गाजर घास उन्मूलन अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य घाट क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रेरणा से नगर निगम हरिद्वार, आईटीसी मिशन सुनहरा कल तथा श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम ने संयुक्त रूप से श्रमदान किया।

अभियान के दौरान घाट परिसर और आसपास फैले कचरे की व्यापक सफाई की गई तथा गाजर घास का उन्मूलन कर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया। स्वच्छता अभियान के दौरान 38 कट्टे सूखा कचरा एकत्र कर वैज्ञानिक निस्तारण के लिए नगर निगम हरिद्वार को सौंपा गया।

साथ ही गाजर घास हटाकर पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

अभियान में शामिल अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने लोगों से अपील की कि स्वच्छता को केवल एक अभियान न समझें, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और श्रमदान से ही स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर हरिद्वार का सपना साकार किया जा सकता है।

अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने 'स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता ही संस्कार' का संदेश देते हुए स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में सेवानिवृत्त कर्मचारी की मौत, शरीर पर चोट के निशान; हत्या की आशंका

फतेह खान

रुदौली/अयोध्या(वेलकम इंडिया)। बाबा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम प्रयागदत्त पुरवा मजरे रतनपुर में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में 63 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी का शव घर के अंदर चारपाई पर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान शिवशरण यादव (63) पुत्र तुलसीराम के रूप में हुई है। वह पंजाब के पटियाला में टेलीफोन विभाग में कार्यरत थे और दो वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त होकर गांव लौट आए थे। उनकी पत्नी और तीनों पुत्र फिलहाल पटियाला में ही रहते हैं, जबकि शिवशरण गांव में अकेले रह रहे थे। बताया गया कि गुरुवार दोपहर के बाद जब वह देर शाम तक घर से बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को संदेह हुआ। ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे तो उन्हें चारपाई पर मृत अवस्था में पाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार आजाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार मृतक का अपने भाई से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार आजाद ने बताया कि मृतक के परिजन पटियाला में रहते हैं, जिन्हें सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद प्राप्त तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

पति की हत्या कर बाथरूम में दफनाया शव, डेढ़ महीने तक गुमशुदगी का करती रही नाटक

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में सिकंदरा थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला पर अपने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफनाने का आरोप है।

हैरानी की बात यह है कि घटना के बाद महिला ने पति के लापता होने का नाटक किया, गुमशुदगी दर्ज कराई, पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले और परिवार के सामने पति की याद में रोती रही।

पुलिस के अनुसार, भरतपुर निवासी 44 वर्षीय सुरेंद्र कुमार शर्मा सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में पत्नी रूबी, मां और दो बेटियों के साथ रहते थे। 18 मई के बाद सुरेंद्र अचानक लापता बताए गए।

26 मई को परिवार की ओर से उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई और पुलिस ने तलाश भी शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को मामले ने नया मोड़ लिया, जब महिला ने अपने जेठ अनिल शर्मा को घर बुलाकर कथित तौर पर बताया कि सुरेंद्र का शव बाथरूम के फर्श के नीचे दबा है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बाथरूम की खुदाई कराई। खुदाई के दौरान वहां से कंकाल बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि मृतक को शराब पीने की लत थी और वह कथित रूप से पत्नी के साथ मारपीट करता था।

पुलिस महिला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है और हत्या के कारणों सहित पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि महिला द्वारा पति की हत्या कर शव को बाथरूम में दफनाने का मामला सामने आया है। मामले में पूछताछ जारी है और सभी तथ्यों की जांच की जा रही है।

डीएम ने नमामि गंगे परियोजना के तहत निमार्णाधीन 135 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया स्थलीय निरीक्षण

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान द्वारा भारत सरकार की नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत निमार्णाधीन 135 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि परियोजना को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए।

प्रत्येक चरण में निर्माण कार्य की गुणवत्ता की नियमित एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जनपद में नदी प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था समन्वय के साथ कार्य करते हुए परियोजना को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण कराएं।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया की परियोजना के कार्य प्रारंभ की तिथि 01 नवम्बर 2025 है तथा इसे 30 नवम्बर 2027 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत 135 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0 के निर्माण के साथ कुल 98 नालों का इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन किया जाना है, जिससे सीवेज का शोधन सुनिश्चित कर धमोला नदी में प्रदूषण को रोका जा सकेगा। धमोला नदी आगे चलकर हिंडन नदी तथा तत्पश्चात यमुना नदी में मिलती है।

परियोजना के अंतर्गत निर्माण कार्य के साथ-साथ 15 वर्षों के संचालन एवं अनुरक्षण का कार्य भी सम्मिलित है। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि परियोजना का निर्माण कार्य मैसर्स एनवायरो इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है तथा वर्तमान में परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 32 प्रतिशत है।

निरीक्षण के अवसर पर उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के परियोजना प्रबंधक मोहित विक्रम सिंह, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधिगण एवं परियोजना अभियंता उपस्थित रहे।

संतकबीरनगर पुलिस का डग्गामार और स्लीपर बसों पर शिकंजा, अभियान में 11 बसों का 1.11 लाख का चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के कुशल निर्देशन में शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) नीति के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ संतकबीरनगर पुलिस / एआरटीओ0 द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

आज दिनांक 04.07.2026 को जेडएफडी (ZFD) प्रोग्राम के अंतर्गत एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ए.आर.टी.ओ. (ARTO) संतकबीरनगर प्रियंवदा सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार एवं यातायात प्रभारी परमहंस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए जनपद के विभिन्न मार्गों पर अवैध रूप से संचालित डग्गामार बसों और स्लीपर बसों की सघन चेकिंग की।

कार्रवाई के मुख्य बिंदु:-

11 बसों का किया गया चालान:- चेकिंग के दौरान आवश्यक दस्तावेज न होने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 बसों का 01 लाख 11 हजार रु0 का चालान किया गया।

प्रेशर हॉर्न और प्रदूषण पर कार्रवाई:- ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले अवैध प्रेशर हॉर्न और तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ने वाली (प्रदूषण फैलाने वाली) बसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके चालान काटे गए।

संयुक्त टीम द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया है कि जनपद की सीमाओं के भीतर किसी भी प्रकार के अवैध वाहन संचालन, डग्गामार बसों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। आम जनता की सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए इस प्रकार के औचक चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है- डा. हस्सान अहमद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को विकास खण्ड सेमरियावा के बाघनगर स्थित लखनऊ हेल्थ केयर क्लिनिक में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्लड प्रेशर की जांच, खून में सुगर की जांच, हीमोग्लोबिन की जांच की गयी और निः शुल्क दवाएं और परामर्श दिया गया। इस मौके पर डा. हस्सान अहमद ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। निरोगी शरीर ही सुखद जीवन का आधार है। मेडिकल कैंप के आयोजन का उद्देश्य गरीब, असहायों की निः शुल्क जाँच कर उनका सही से इलाज करना है। उन्होंने कहा कि निरोगी जीवन के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। इस अवसर पर मुहम्मद हारून साहिल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मगहर पुलिस चौकी के नवनिर्मित/जीर्णोद्धार भवन का फीता काटकर किया गया भव्य उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश शासन की मंशानुरूप पुलिस विभाग को आधुनिक, सुदृढ़ और जन-उपयोगी बनाने के संकल्प के क्रम में शनिवार को एक महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय की उपस्थिति में थाना कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी मगहर में 'मगहर पुलिस चौकी' के नवनिर्मित व जीर्णोद्धार भवन का वैदिक मंत्रोच्चार और फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया गया। लंबे समय से इस चौकी भवन को आधुनिक संसाधनों और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता थी। पुलिस अधीक्षक के विशेष प्रयासों और निर्देशन में इस पुरानी पुलिस चौकी का पूरी तरह कायाकल्प (जीर्णोद्धार) किया गया है। नवनिर्मित भवन में पुलिसकर्मियों के बैठने, आगंतुकों (फरयादियों) के लिए प्रतीक्षालय और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को बेहद सुव्यवस्थित किया गया है। चौकी परिसर को स्वच्छ, हरा-भरा और एक आदर्श कार्यस्थल के रूप में विकसित किया गया है, जिससे ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा। भवन का उद्घाटन करने के पश्चात उन्होंने उपस्थित पुलिस बल और सम्मानित संभ्रांत नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा:- 'पुलिस चौकी का यह जीर्णोद्धार केवल एक भवन का सुधार नहीं है, बल्कि यह जनता और पुलिस के बीच विश्वास को और मजबूत करने का एक माध्यम है। एक बेहतर कार्यस्थल से पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है। मगहर एक ऐतिहासिक और संवेदनशील क्षेत्र है, यहाँ आने वाले हर पीड़ित की बात को अत्यंत संवेदनशीलता और विनम्रता से सुना जाए तथा उसे त्वरित न्याय दिलाया जाए।' महोदय ने आगे निर्देश दिया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रखा जाए, रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और अपराधियों व शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए। मगहर पुरानी पुलिस चौकी के इस नए स्वरूप को देखकर स्थानीय व्यापारियों, संभ्रांत नागरिकों और ग्रामीणों में भारी उत्साह व हर्ष का माहौल है। इस गरिमामयी उद्घाटन समारोह के दौरान, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दुबे, चौकी प्रभारी मगहर विनोद कुमार यादव सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी/कर्मचारी और क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधि व व नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनकर त्वरित निस्तारण हेतु दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने जनसुनवाई को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से कार्यालय में उपस्थित होकर फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण करते हुए निर्धारित समयावधि में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं को की गई कार्यवाही से अवगत भी कराया जाए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को और अधिक मजबूत बनाना है। जनपद पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान एवं बेहतर पुलिसिंग के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

जल निकासी के लिए महानगर में तीन नालों के लिए सौ करोड़ स्वीकृत

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। नगर निगम के शाकंभरी सभागार में आज 15 वें वित्त की बैठक महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शहर में जल निकासी के लिए करीब 100 करोड रुपए की लागत से तीन नालों के निर्माण की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त वार्ड 27 गणपति विहार में उमर पैलेस से ढमोला नदी तक लगभग 70 लाख रुपए की लागत से एक नाला निर्माण को स्वीकृत किया गया। महापौर डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में हुई 15वें वित्त की बैठक में वार्ड 33 में यश विहार से टपरी बाईपास अनुराग विहार होते हुए 2660 मीटर लंबे आईसीसी नाला निर्माण तथा चिलकाना रोड पर लॉर्ड महावीरा एकेडमी से पांवधोई नदी तक 1744 मीटर लंबाई का आईसीसी नाला निर्माण और वार्ड 57 इस्लामिया कॉलेज रोड पर 520 मीटर लंबे आरसीसी नाला निर्माण को स्वीकृति दी गई। उपरोक्त नालों के निर्माण के अतिरिक्त शहर के छह वार्डो में 35 हॉर्स पावर के 6 नलकूप रिबोर को भी स्वीकृत किया गया। इनमें वार्ड संख्या 11 पैरामाउंट ट्यूलिप, वार्ड 13 ट्रांसपोर्ट नगर, वार्ड 22 मातागढ़ जलकर परिसर, वार्ड 68 तेलियों का चौक, वार्ड 62 गोटेशाह और वार्ड 13 महाडी शमशान घाट के पास का स्थान शामिल है। इसके अतिरिक्त पांच वार्डो में वार्ड 36 जोहरिया मस्जिद के निकट, वार्ड दो अजीत सिंह नगर, वार्ड 30 में 62 फुटा रोड, वार्ड 25 कोरी माजरा और वार्ड 10 अंकित बिहार में 15 एचपी के मिनी नलकूप अधिष्ठापन के कार्य को भी स्वीकृति दी गई। इस कार्य पर करीब 98 लाख रुपए व्यय आएगा। बैठक में ओवरहैड टैंकों की मरम्मत और पेंटिंग के लिए करीब 2 करोड़ 78 लाख रुपए स्वीकृत किए गए। जिन ओवरहेड टैंकों की पेंटिंग और मरम्मत का कार्य होना है उनमें वार्ड 40 गांधी पार्क, सर्किट हाउस, लेबर कॉलोनी, साबरी का बाग, खाता खेड़ी, माता गढ़, चकरोता रोड, नुमाइश कैंप, ट्रांसपोर्ट नगर और पारस पुरम (बाउंड्री वॉल) का कार्य शामिल है। बैठक में महापौर के अतिरिक्त नगरायुक्त शिपू गिरी, नगर निगम के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष तथा जिलाधिकारी व उपाध्यक्ष प्राधिकरण के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

बिहारीगढ़ के प्राथमिक विद्यालय में हुआ वृक्षारोपण, बच्चों को दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। आज प्राथमिक विद्यालय बिहारीगढ़ में समस्त स्टाफ और ग्रामीणों ने मिलकर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया। विद्यालय परिसर में कई तरह के पौधे लगाए गए और बच्चों को पर्यावरण का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम में सहायक अध्यापक दीपक करनवाल ने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि 'अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, क्योंकि पेड़-पौधों में भी जान होती है। हमें अपने वातावरण को हमेशा हरा-भरा रखना चाहिए।' विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नूतन वर्मा ने कहा कि 'पेड़-पौधे मनुष्य और सभी जीव-जंतुओं के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। ये हमें साफ हवा, छाया और फल देते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए।'

इस मौके पर ये लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहेः प्रधानाध्यापिका नूतन वर्मा, सहायक अध्यापक दीपक करनवाल, तेजिंदर, सविता, दीप्ति पवार, सुमन शर्मा, शिल्पी उपाध्याय, पिंकी धीमान और गांव के कई लोग।

सभी ने मिलकर पौधे लगाए और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में शुरू से ही पर्यावरण के लिए प्यार पैदा होता है।

फर्जी बैनामे का आरोप, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। न्यू साकेत कॉलोनी निवासी सचिन पुत्र प्रमोद कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर एक महिला एवं उसके परिजनों पर कथित रूप से फर्जी बैनामे के आधार पर 5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा उसकी धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, वर्ष 2022 में अपना मकान बेचने के बाद सचिन ने न्यू साकेत कॉलोनी में 50 वर्ग गज का मकान खरीदने का सौदा किया था।

आरोप है कि 29 नवंबर 2022 को लिखित समझौते के तहत 5 लाख रुपये का भुगतान करने के बाद उन्हें मकान का कब्जा भी दे दिया गया, लेकिन आज तक संपत्ति की रजिस्ट्री नहीं कराई गई। प्रार्थी का आरोप है कि बाद में पता चला कि विक्रेता द्वारा दिखाई गई रजिस्ट्री और संबंधित खसरा विवरण वास्तविक संपत्ति से मेल नहीं खाते।

उनका कहना है कि रजिस्ट्री में दर्ज खसरा संख्या एवं अन्य विवरण मौके की स्थिति से भिन्न हैं, जिससे उनके साथ कथित धोखाधड़ी हुई है। सचिन ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित पक्ष द्वारा मकान खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है तथा बिजली और पानी का कनेक्शन भी कटवा दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकियां दी जा रही हैं, जिससे वे मानसिक तनाव में हैं। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर कथित फर्जी बैनामे की सत्यता की जांच, आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने तथा उनके 5 लाख रुपये वापस दिलाने की मांग की है।

मीडिया मंच के पदाधिकारियों ने रामपुर मनिहारान के विधायक देवेंद्र निम से की शिष्टाचार भेंट, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मीडिया मंच के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल के नेतृव में रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया, विधायक देवेंद्र निम ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट के साथ मीडिया मंच की एक अच्छी पहल बताया, उन्होंने कहा कि मीडिया मंच का यह प्रयास सार्थक ओर सराहनीय है, देवेंद्र निम ने कहा कि आज मीडिया की सकारात्मक भूमिका की सख्त आवश्यकता है, मीडिया मंच के इस प्रकार जनप्रतिनिधियों से संवाद जहा संवादहीनता की खाई को खत्म करता है, वही मीडिया के द्वारा जनता को सकारात्मक खबरे भी मिलती है, उन्होंने कहा कि वह अक्सर अपना कर्म करते है और जनता की सेवा करते ही इसलिए वह मीडिया से थोड़ा दूर ही रहते है। उन्होंने मीडिया मंच को उसकी सराहनीय पहल के साथ सराहना भी की, साथ ही कहा कि वह मीडिया के साथ हर कदम साथ है। इस दौरान मीडिया मंच के जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, महासचिव मोनू कुमार, उपाध्यक्ष अबलीश गौतम, उपाध्यक्ष कमल गर्ग, सचिव मुराद अली, सचिव सार्थक शर्मा, सचिव कुणाल चौधरी सचिव सार्थक शर्मा, सदस्य विनय, संगठन मंत्री मुकेश कुमार व अन्य सदस्य गण उपस्तिथ रहे।

मीडिया मंच के पदाधिकारी प्राधिकरण में व्याप्त भ्ष्टाचर्र को लेकर मण्डलायुक्त से मिले

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मीडिया मंच के पदाधिकारियों ने प्राधिजर्न में व्याप्त भ्ष्टाचर्र को लेकर जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल के नेतृत्व में मण्डलायुक्त रूपेश कुमार से मुलाकात कर प्रधिकरण में व्याप्त भ्ष्टाचर्र, शहर के चारो तरफ काटी जा रही अवैध कॉलोनियों के जाल ओर बेसमेंट सहित अवैध निमार्णों की जानकारिया दी, यही नही जिलाध्यक्ष ने यह भी बताया कि शहर के चारो तरफ कॉलोनी काट कर मात्र नोटिस दिया जाता है तथा उसके बाद अपील की आड़ में उस नोटिस को दबा दिया जाता है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उनका मकसद राजस्व की बढ़ोत्तरी है, मीडिया मंच के जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने मंडलायुक्त को बताया कि प्रधिकरण के उपाध्यक्ष न तो किसी का फोन उठाते है न ही मिलते है, जब भी इनसे कोई मिलने का प्रयास करता है, तो जवाब मिलता है कि उपाध्यक्ष है नही, या फिर बाहर गए हुए है। संयोग से उपाध्यक्ष सूरज पटेल मण्डलायुक्त कार्यालय पंहुच गए, जिलाध्यक्ष ने उनके सामने ही सभी शिकायते मण्डलायुक्त को बताई, जिस पर मण्डलायुक्त ने उपाध्यक्ष से कहा कि कोई भी यदि मिलने आता है तो उससे मुलाकात अवश्य करे और फोन उठाये। मीडिया मंच के पदाधिकारियों ने मण्डलायुक्त के व्यवहार उनके द्वारा शिष्टाचार पूर्वक बात सुनने के लिए आभार जताया। भेंट करने वालो में मीडिया मंच के जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, महासचिव मोनू कुमार, उपाध्यक्ष अबलीश गौतम, उपाध्यक्ष कमल गर्ग, सचिव कुणाल, सचिव मुराद अली, सचिव सार्थक शर्मा,व अन्य सदस्य उपस्तिथ रहे।

एनसीआरटीसी ने बेहतर यात्रा अनुभव के लिए आयोजित किया इंटरैक्टिव सेशन; टिकटिंग, सुरक्षा और ऑपरेशंस के बारे में दी विस्तृत जानकारी

=उज्ज्वल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। एनसीआरटीसी ने नमो भारत यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाते हुए अपने समग्र यात्री सहभागिता कार्यक्रम 'नमो भारत चैम्पियंस' के अंतर्गत बेगमपुल नमो भारत स्टेशन पर एक इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन किया। 'नो योर नमो भारत' नाम के इस सेशन का उद्देश्य प्रतिभागियों को नमो भारत प्रणाली के कामकाज, इसकी प्रमुख विशेषताओं, सुरक्षा प्रोटोकॉल और आवश्यक यात्रा दिशा-निदेर्शों से परिचित कराना था। इस पहल के माध्यम से एनसीआरटीसी यात्रियों के साथ सीधे संवाद के लिए एक मंच तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

इस कार्यक्रम में नमो भारत के वे दैनिक यात्री, जो कि नमो भारत चैंपियंस ग्रुप के सदस्य हैं, शामिल रहे। प्रतिभागियों में यह जानने की विशेष उत्सुकता थी कि युवा ट्रेन ऑपरेटर्स द्वारा ट्रेन का संचालन किस प्रकार किया जाता है। साथ ही वे स्टेशन संबंधी कार्यों एवं परिचालन संबंधी अन्य गतिविधियों के बारे में अत्यधिक उत्सुक थे। एनसीआरटीसी की टीम ने संवादात्मक चर्चा और गाइडेड स्टेशन टूर के माध्यम से इन प्रतिभागियों को उन प्रणालियों और प्रक्रियाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की जो नमो भारत में सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करती हैं। इस सत्र में उन्हें यात्रा के दौरान आमतौर पर होने वाली समस्याओं और उनके समाधानों से भी परिचित कराया गया। कई प्रतिभागियों ने टिकटिंग संबंधित समस्याओं के विषय में चर्चा की। टीम ने उन्हें टिकट वेंडिग मशीन तथा 'नमो भारत कनेक्ट ऐप' के माध्यम से क्यूआर-आधारित पेपर टिकट और डिजिटल टिकट बुकिंग प्रक्रिया तथा अन्य किराया प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों को फीडबैक और सुझाव साझा करने की प्रक्रिया के साथ-साथ यात्री सहायता के लिए नमो भारत कस्टमर केयर नंबर

08069651515 के विषय में भी बताया गया। प्रतिभागियों को स्टेशन कंट्रोल रूम (SCR) का गाइडेड टूर भी कराया गया, जिससे उन्हें स्टेशन संचालन और यात्री आवागमन के प्रबंधन में शामिल कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला। इस दौरान, यूपीएसएसएफ (UPSSF) के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों और स्टेशन प्रभारी ने प्रतिभागियों को नमो भारत स्टेशनों पर तैनात उन्नत सुरक्षा प्रणालियों की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार प्रत्येक स्टेशन पर, मल्टी-जोन डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टरों (डीएफएमडी) द्वारा स्टेशन प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा जांच की जाती है। साथ ही, वहाँ लगाए गए लगेज स्कैनर की भी जानकारी दी गई जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस हैं और इनमें डुअल-व्यू एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम है, जो सामान की बेहतर स्क्रीनिंग को सक्षम बनाता है। उन्हें स्टेशन परिसर में प्रतिबंधित वस्तुओं के विषय में भी विस्तार से बताया गया और उन्हें लेकर यात्रा न करने की हिदायत दी गई। साथ ही, उन्हें नमो भारत में यात्री सुरक्षा के लिए किए गए विभिन्न प्रावधानों के बारे में भी बताया गया। हर ट्रेन में महिलाओं के लिए एक समर्पित कोच है, जबकि अन्य कोचों में महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग यात्रियों के लिए सीटें आरक्षित हैं। सीसीटीवी कैमरों द्वारा 247 स्टेशनों और ट्रेनों की निगरानी की जाती है। स्टेशनों परिसरों के आसपास सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी कई प्रयास किए गए हैं, जिसमें अच्छी तरह प्रकाशित स्टेशन परिसर, सीसीटीवी कवरेज और बेहतर लास्ट-माइल कनेक्टिविटी शामिल हैं, जो यात्रियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने में योगदान करते हैं। प्रतिभागियों को एनसीआरटीसी द्वारा हाल ही में शुरू किए गए जेंडर सेंसटाइजेशन अभियान 'आकांक्षाओं के पंख' से भी अवगत कराया गया, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी सार्वजनिक परिवहन वातावरण को बढ़ावा देना है। एक सुरक्षित पारगमन वातावरण बनाने में यात्रियों की जागरूकता, सहानुभूति और सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व के विषय में भी विस्तार से चर्चा की गई। इस सत्र में आपातकालीन स्थितियों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने यह जानने में विशेष रुचि दिखाई कि आपातकालीन स्थिति में सहायता किस प्रकार प्राप्त की जाए। टीम ने उन्हें विभिन्न आपातकालीन स्थितियों जैसे आग लगने की स्थिति में संबंधित सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन निकास द्वार और उनकी कार्यप्रणाली तथा आपात-स्थिति में अपनाई जाने वाली अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के विषय में विस्तार से बताया। 'नमो भारत चैंपियंस' एक व्यापक यात्री सहभागिता कार्यक्रम है, जिसे नमो भारत सेवाओं के निरंतर सुधार में यात्रियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल के माध्यम से, एनसीआरटीसी सक्रिय यात्रियों का एक नेटवर्क तैयार कर रहा है, जो रचनात्मक सुझाव दे सके, प्रणाली के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा दे सके और यात्री सुविधाओं तथा उचित यात्रा व्यवहार के बारे में अधिक जागरूकता पैदा कर सके। यात्रियों के लिए, यात्रियों द्वारा' के सिद्धांत पर आधारित यह पहल, नमो भारत यात्रियों की सार्थक भागीदारी से निरंतर संवाद और फीडबैक के लिए एक सहयोगात्मक मंच तैयार करमे का एक प्रयास है। इस इंटरैक्टिव सेशन ने प्रतिभागियों को अपनी रोजमर्रा की यात्राओं से परे नमो भारत को समझने का एक अवसर प्रदान किया। एनसीआरटीसी भविष्य में भी ऐसे आयोजन करता रहेगा जो यात्रियों से सार्थक बातचीत और फीडबैक के आदान-प्रदान द्वारा समग्र यात्रा अनुभव को निरंतर बेहतर बनाने में मदद करेंगे। नमो भारत चैंपियंस ग्रुप से जुड़ने में रुचि रखने वाले यात्री स्टेशनों पर लगे क्यूआर कोड के माध्यम से, या एनसीआरटीसी की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्डइन) के माध्यम से रजिस्टर कर सकते हैं। वे इस ग्रुप से जुड़कर जिम्मेदार सार्वजनिक परिवहन उपयोग के 'चैंपियंस' के रूप में कार्य करेंगे।

78वें सीए दिवस पर आईसीएआई वाराणसी शाखा ने वृद्धाश्रम में सेवा का बढ़ाया हाथ,वर्षभर सहयोग का लिया संकल्प

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वाराणसी शाखा द्वारा 4 जुलाई 2026 शनिवार को 78वां सीए दिवस के उपलक्ष्य में चैरिटी कार्यक्रम का आयोजन वृद्धाश्रम सारनाथ में किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक सीए अचल श्रीवास्तव एवं सीए मनोज कुमार पांडेय रहें। कार्यक्रम का शुभारम्भ शाखा अध्यक्ष सीए वैभव मेहरोत्रा और पूर्व अध्यक्ष सीए विजय प्रकाश ने किया और साथ ही पुरे वर्ष में उनकी जरुरत की वस्तुएं जैसे की अनाज,वस्त्र,दवाईयां,फल समय समय पर आश्रम के सचिव द्वारा सुचना देने पर दी जाएगी। यह भी बताया गया की वृद्धाश्रम में रह रहे लोगों का फ्री हेल्थ चेकअप भी अगले कुछ दिनों में शाखा के सौजन्य से कराया जायेगा। इस वृद्धाश्रम में 45 महिलाये एवं 54 पुरुष रह रहे है उन सभी लोगों में दवाइयाँ, अन्न, फल एवं वस्त्र आदि जरुरत की वस्तुओ का वितरण कर सहयोग प्रदान किया गया।

जहाँगीराबाद चुंगी पर बेलगाम हुआ अतिक्रमण राहगीरों का पैदल चलना भी मुहाल पूर्व के अभियानों का नहीं दिख रहा असर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। नगर की जहाँगीराबाद चुंगी पर अतिक्रमणकारियों के हौसले इस कदर बुलन्द हैं कि अब यहाँ आम जनता के लिए पैर रखने तक की जगह नहीं बची है सड़क से लेकर नालों तक पर अवैध कब्जा जमाए बैठे दुकानदारों और फड़-ठेले वालों के कारण नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है नालों से लेकर काली सड़क तक अवैध कब्जा जहाँगीराबाद चुंगी पर अतिक्रमणकारियों ने न केवल नाले के ऊपर पक्के व अस्थायी निर्माण कर रखे हैं बल्कि अपनी दुकानों का सामान और ठेले मुख्य काली सड़क तक फैला दिए है हालत यह हो चुकी है कि मुख्य मार्ग पूरी

तरह सिमट गया है कहाँ खड़े हों ग्राहक बड़ा सवाल अतिक्रमण के चलते सबसे विकट समस्या बाजार में आने वाले ग्राहकों और वाहन चालकों के सामने खड़ी हो रही है जब कोई ग्राहक किसी दुकान से सामान लेने के लिए रुकता है तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि वह अपना वाहन कहाँ खड़ा करे सड़क पर वाहन रुकते ही तुरन्त लम्बा जाम लग जाता है जिससे आए दिन व्यापारियों और राहगीरों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिलती है पालिका के अतिक्रमण हटाओ अभियान को दिखाया ठेंगा गौरतलब है कि कुछ समय पूर्व नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में कड़ा रुख अपनाते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था चिलचिलाती धूप में नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह, खुद सड़कों पर उतरी थी और जहाँगीराबाद चुंगी को अतिक्रमण मुक्त कराया था लेकिन पालिका की यह कार्रवाई केवल कुछ दिनों का असर ही दिखा सकी अभियान खत्म होते ही अतिक्रमणकारियों ने फिर से सड़कों पर कब्जा जमा लिया जिससे पालिका प्रशासन की सख्त हिदायतों और कार्रवाइयों का कोई असर होता दिखाई नहीं दे रहा है प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने उच्च अधिकारियों से मांग की है कि जहाँगीराबाद चुंगी पर स्थायी रूप से अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं और दोबारा सड़क घेरने वालों पर भारी जुमार्ना लगाया जाए ताकि जनता को इस रोज-रोज के नरक से मुक्ति मिल सके जब इस सम्बन्ध में नगर पालिका ईओ नीतू सिंह, से जानकारी को गई तो उन्होंने बताया है कि जल्द अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जायेगा।

लैंडमार्क टावर फेस-1आरडब्ल्यूए में अब होगा चुनाव, सहायक निबंधक ने नियुक्त किया चुनाव अधिकारी

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित अपार्टमेन्ट लैण्डमार्क टावर फेस-1,वीडीए कालोनी लालपुर प्रथम चरण वाराणसी की रजिस्टर्ड सोसायटी (RWA) जो कि पिछले पांच वर्षो से बिना चुनाव के कुछ आवंटियो द्वारा अवैध तरीके से संचालित हो रही थी जिसकी शिकायत अपार्टमेन्ट के अन्य आवंटियो द्वारा 'उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण' और 'रजिस्ट्रार सहायक निबन्धक,फर्म,सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी' को लिखित की गयी। शिकायती पत्र की जांच करते हुए 'रजिस्ट्रार सहायक निबन्धक,फर्म,सोसाइटीज एवं चिट्स वाराणसी' द्वारा उक्त सोसायटी के प्रबन्धन बोर्ड को कालातीत घोषित करते हुए राम सिंह सहायक लेखाधिकारी कोषागार एवं पेन्शन वाराणसी मण्डल को चुनाव अधिकारी नामित किया है। चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव की घोषणा अतिशीघ्र की जायेगी।

डेलॉयट में एमआईईटी के 60 छात्रों का प्लेसमेंट , 7.60 लाख का पैकेज

उज्ज्वल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के 60 छात्र-छात्राओं का चयन बहुराष्ट्रीय कंपनी डेलॉयट में एनालिस्ट- टेक्नोलॉजी एंड ट्रांसफॉर्मेशन पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को 7.60 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिलेगा।

चयन प्रक्रिया के तहत कंपनी ने प्री-प्लेसमेंट प्रेजेंटेशन, एप्टीट्यूड टेस्ट, टेक्निकल इंटरव्यू और एचआर इंटरव्यू आयोजित किए। सभी चरण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 60 विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया गया।

एमआईईटी के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में

विद्यार्थियों को उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक तकनीकों, अत्याधुनिक इंडस्ट्री टूल्स एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है।

यही कारण है कि एमआईईटी के छात्र न केवल प्रतिष्ठित कंपनियों में बेहतर रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि भविष्य में उद्यमिता एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, बरखा अग्रवाल तथा कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

वर्दी में शराब सेवन का वायरल फोटो पड़ा भारी, तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। सोशल मीडिया पर थाना गढ़मुक्तेश्वर में तैनात तीन पुलिसकर्मियों का वर्दी में शराब सेवन करते हुए कथित फोटो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने सख्त कार्रवाई की है। मामले का संज्ञान लेते हुए थाना गढ़मुक्तेश्वर पर तैनात उपनिरीक्षक गौरव कुमार, उपनिरीक्षक अजय कुमार तथा आरक्षी 950 गोपाल चौधरी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि पुलिस विभाग की छवि को धूमिल करने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जनपद के सभी पुलिसकर्मियों को

चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसा कोई भी आचरण न करें जिससे विभाग की गरिमा प्रभावित हो। यदि भविष्य में इस प्रकार का कोई मामला सामने आता है तो संबंधित के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी विभागीय एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रसूता की मौत के मामले में स्टाफ नर्स पर हुआ मुकदमा दर्ज

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बुलंदशहर के आदेश पर कस्बे के मौहल्ला चैनपुरा निवासी प्रसूता की लापरवाही के चलते हुई मौत के मामले में स्टाफ नर्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जितेंद्र अग्रवाल द्वारा न्यायालय में दायर किए गए वाद में कहा गया है कि गत 14 जनवरी 2025 को उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी अन्नू (24 वर्ष) को प्रसव पीड़ा होने पर शिकारपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था। अस्पताल में मौजूद स्टाफ नर्स गुड्डी शर्मा ने डिलीवरी के लिए गाइनो डॉक्टरनी बुलाने के नाम पर दस हजार रुपए की डिमांड की।

IGL गैस बिल अपडेट कराने के नाम पर हुई साइबर ठगी के शिकार महिला के 7.92 लाख रुपये हापुड़ साइबर पुलिस ने कराए वापस

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए IGL गैस बिल अपडेट कराने के नाम पर साइबर ठगी का शिकार हुई एक पीड़िता के 7,92,000 रुपये (शत-प्रतिशत) वापस करा दिए। जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने पीड़िता को IGL गैस बिल अपडेट कराने के बहाने एक फर्जी लिंक भेजा।

लिंक पर क्लिक करने के बाद पीड़िता के बैंक खाते से 7.92 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। घटना की शिकायत मिलने पर थाना साइबर क्राइम हापुड़ की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया। टीम के लगातार प्रयासों के

परिणामस्वरूप पीड़िता की पूरी 7,92,000 रुपये की राशि वापस कराई गई।

अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर पीड़िता ने हापुड़ पुलिस और साइबर क्राइम टीम का आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और गैस, बैंक, बिजली या अन्य सेवाओं के नाम पर आने वाले संदिग्ध संदेशों से सतर्क रहें। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या www.cybercrime. gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

अखिलेश यादव के साथ खड़े हैं सभी धर्मों और जातियों के लोगः मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मो0 अरशद खान ने अपने वक्तव्य में कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब परिवर्तन का मन बना चुकी है। प्रदेश का किसान, मजदूर, नौजवान, कर्मचारी, महिलाएं, व्यापारी, शिक्षक और समाज का प्रत्येक वर्ग विकास, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की राजनीति के पक्ष में एकजुट होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज किसान अपनी फसल के उचित मूल्य, मजदूर सम्मानजनक रोजगार, नौजवान रोजगार और बेहतर भविष्य, दलित सामाजिक न्याय, पिछड़ा वर्ग अपने संवैधानिक अधिकारों तथा अल्पसंख्यक भाईचारे, सुरक्षा और समान अवसरों की अपेक्षा के साथ समाजवादी पार्टी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यह केवल किसी एक वर्ग का आंदोलन नहीं है, बल्कि प्रदेश के ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, व्यापारी वर्ग, बुद्धिजीवी, अधिवक्ता, शिक्षक, कर्मचारी, महिलाएं, युवा और

समाज के सभी धर्मों एवं जातियों के लोग उत्तर प्रदेश में भाईचारे, विकास और सामाजिक समरसता की स्थापना के लिए एक साझा संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की पीडीए की अवधारणा समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और बराबरी का अवसर देने की सोच का प्रतीक है। यही कारण है कि आज हर तबके के लोग बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में परिवर्तन का वातावरण स्पष्ट दिखाई दे रहा है। अरशद खान ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यदि जनता का यही उत्साह और समर्थन बना रहा तो वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता भारी जनादेश देकर पुनः के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि किसानों की खुशहाली, नौजवानों के रोजगार, व्यापार की उन्नति, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और प्रदेश में अमन-चैन तथा विकास की नई दिशा तय करने का चुनाव होगा। अंत में उन्होंने प्रदेशवासियों से सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

बाल अपचारी सहित तीन चोर गिरफ्तारः गिरफ्तार चोरों के कब्जे से चोरी किये गये आभूषण बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। पुलिस द्वारा 02 शातिर चोरों को ग्राम नगला जगत के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से चोरी किये गये आभूषण बरामद किये गये हैं। अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना अहमदगढ़ पर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है तथा बाल अपचारी को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा जा रहा हैं। अहमदगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वीडी गंगवार ने बताया कि हिमान्शु पुत्र सुधीर निवासी ग्राम ग्राम सतवरा

थाना अहमदगढ़,लोकेश पुत्र सतीश निवासी उपरोक्त तथा 01 बाल अपचारी ने 29-06-2026 को अपने पडोस के एक मकान में चोरी की थी, इस सम्बन्ध में थाना अहमदगढ पर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसका पुलिस को लंबे समय से इंतजार था। पुलिस की हिरासत में दिए गए चोरों के पास से दो जोडी पाजेब, एक जोडी कडे, एक नजरिया (सभी सफेद धातु),एक जोडी बाली (पीली धातु) बरामद किया है।

हरियाली की ओर एक सशक्त कदम, डीपीएस मोदीनगर में वृक्षारोपण अभियान सम्पन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर में को वन विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से 'एक पेड़ माँ के नाम' विषय पर एक प्रेरणादायक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विनोद वैशाली (चेयरमैन, नगर पालिका परिषद, मोदीनगर), डॉ. सलोनी (उप प्रभागीय वनाधिकारी, गाजियाबाद) तथा अमित सिंह (क्षेत्रीय वन अधिकारी, मोदीनगर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी एवं ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना तथा छात्रों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के फलदार, औषधीय एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया। विद्यालय की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साथ ही पास के सरकारी स्कूल से आए बच्चों ने भी सभी के साथ मिलकर पेड़ लगाए और यह संकल्प लिया कि वे इन पौधों की पूरे वर्षभर देखभाल करेंगे। मुख्य अतिथि विनोद वैशाली ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, 'एक वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की भी नींव रखता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। इस अवसर को और भी रचनात्मक बनाने के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता और कविता वाचन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित अत्यंत सुंदर एवं संदेशप्रद चित्र प्रस्तुत किए। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. विक्रम गांधी ने बच्चों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा, 'ऐसे प्रयास न केवल विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाते हैं, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी विकसित करते हैं।' ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, 'एक पेड़ केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि जीवन का अमूल्य उपहार है। इसे माँ को समर्पित करना हमारे पर्यावरण और भावनाओं–दोनों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक पावन प्रयास है।' विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही ने कहा, 'वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर बनाने का प्रभावी माध्यम है। यह छात्रों में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व, संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना को भी सुदृढ़ करता है।' कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। यह वृक्षारोपण अभियान विद्यालय परिसर को हरित एवं समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ तथा विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम बना।

खतौली के थानेश्वर महादेव मंदिर में विशेष पूजा का आयोजन, भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। खतौली थानेश्वर मंदिर में धार्मिक श्रद्धा और उल्लास के साथ विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान की आरती की गई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई।पूजा संपन्न होने के उपरांत मंदिर परिसर में एक विशाल भंडारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रमुख लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही इस धार्मिक अनुष्ठान और भंडारे को सफल बनाने में क्षेत्र के गणमान्य लोगों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में शामिल हैं: संजय त्यागी (भाजपा नेता), राजीव त्यागी (ठेकेदार), अनमोल त्यागी, पार्थ त्यागी, अनुज त्यागी (पूर्व सभासद), सचिन त्यागी (आदर्श बीज भंडार, निवाड़ी), अभिषेक त्यागी (अधिवक्ता), मयंक त्यागी (कॉन्ट्रेक्टर), त्यागी जी टेंट वाले (हापुड़), वर्तमान प्रधान जी (कोल वाले), इसके साथ ही मंदिर के मुख्य पुजारी और भारी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु व संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। मंदिर समिति और सहयोगकताओं ने कार्यक्रम में आए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने प्रतियोगी छात्र-छात्राओं की समस्या को लेकर डीएम को लिखा पत्र

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने गाजियाबाद जनपद के प्रतियोगी छात्र-छात्राओं की समस्या के संबंध में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड को एक पत्र लिखा है।

पत्र के माध्यम से सांसद ने बताया है कि वर्तमान में विभिन्न सरकारी विभागों के नियमों में विरोधाभास के कारण कोचिंग संचालन में भारी कठिनाई आ रही है उच्च शिक्षा कार्यालय पंजीकरण के लिए वाणिज्यिक भवन की अनिवार्यता बताता है जबकि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण वाणिज्यिक भवनों मे चल रहे संस्थाओं को सील कर रहा है और केवल एजुकेशनल लैंड की मांग कर रहा है जो की अत्यंत दुर्लभ है।

पत्र के माध्यम से कहा गया है कि संबंधित सभी विभागों में समन्वय बनाकर इस संबंध में एक व्यवहारिक नीति बनाई जाए, जब तक कोई स्पष्ट और एक रूप नीति लागू नहीं हो जाती तब तक कोचिंग संस्थानों के विरुद्ध की जा रही सीलिंग और दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई जाए ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो।

एकेटीयू परिणामों में आरकेजीआईटी की शानदार सफलता

पांच विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में बनाई जगह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी द्वारा घोषित परीक्षा परिणामों में राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट सूची में अनुष्का मिश्रा (एमसीए) ने चौथा स्थान, मौसम सिंह (बी.टेक. झ ईसीई) ने नौवां स्थान, श्रिधि (बी.टेक. झ सूचना प्रौद्योगिकी) ने दसवां स्थान, तथा अंशिका भारद्वाज (एम.फार्म.) ने नौवां स्थान एवं तान्या अग्रवाल (एम.फार्म.) ने दसवां स्थान प्राप्त कर आर के जी आई टी की शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि संस्थान की उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण अकादमिक वातावरण एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता का परिणाम है। इस अवसर पर संस्थान के सलाहकार श्री लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी.के. चौहान, निदेशक डॉ. बी.सी. शर्मा, डीन (एकेडमिक्स) डॉ. आर.के. यादव तथा प्राचार्या (फामेर्सी) डॉ. मोनिका सचदेव ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की तथा इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के सामूहिक सहयोग को दिया। संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ने कहा, 'एकेटीयू की टॉप-10 मेरिट सूची में हमारे पांच विद्यार्थियों का स्थान प्राप्त करना पूरे आर के जी आई टी परिवार के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण तथा संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्कृति का परिणाम है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नवाचार, अनुसंधान और नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए सर्वोत्तम अवसर उपलब्ध कराना है। संस्थान ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अंकों से नहीं सर्वांगीण शिक्षा से होते है लक्ष्य पूरे - उपजिलाधिकारी अजीत सिंह

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कला व संस्कृति कार्यक्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उपजिलाधिकारी द्वारा छाया पब्लिक स्कूल के बच्चों को प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

उपजिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि अगर हम अपने लक्ष्य और उद्देश्यों को बचपन से ही निर्धारित कर चले तो दुनिया की कोई ताकत हमें कामयाब होने से नहीं रोक सकती इस अवसर पर तहसीलदार रजत कुमार छाया स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी बार एसोसिएशन सचिव नकुल त्यागी पूर्व बार अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

गांधी ग्राउंड में सिंथेटिक ट्रैक निर्माण और स्कूलों में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम की मांग, कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर के तत्वाधान में शहर अध्यक्ष प्रदेश बृजेश कुमार सेन और पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा के नेतृत्व में मोदीनगर तहसील में एसडीएम के समक्ष मोदीनगर गांधी ग्राउंड में सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण और मोदीनगर तहसील के अंतर्गत सभी स्कूलों में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम को सुनिश्चित रूप से लागू करने के लिए कांग्रेस पार्टी मार्च 2026 से लगातार एसडीएम को पत्र लिखकर मांग कर रही है कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को सुनिश्चित किया जाए ताकि एक देश एक शिक्षा के नियम को लागू किया जा सके। एनसीईआरटी और गांधी ग्राउंड में सिंथेटिक ट्रैक के लिए एसडीएम मोदीनगर को ज्ञापन सौंपा गया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन, पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा ने कहा कि गांधी ग्राउंड सरकार और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के कारण अंत्यत दयनीय स्थिति में पहुंच गया है जिसमें खिलाड़ियों के लिए खेल की प्रैक्टिस करना मुश्किल हो चुका है इसके लिए खिलाड़ी पिछले कई वर्षों से सिंथेटिक ट्रैक की मांग उठा रहे हैं लेकिन आज तक शासन प्रशासन द्वारा इस और ध्यान नहीं दिया गया कांग्रेस पार्टी भी एनसीईआरटी पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए मार्च 2026 से प्रयासरत है लेकिन शासन प्रशासन अनदेखी कर रहा है। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष मोदीनगर बृजेश कुमार सेन, पीसीएस उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, अभिनव शर्मा, रजनी शर्मा, ममता शर्मा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार में बड़ी सफलता: 20.6 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी व मोबाइल बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना इन्दिरापुरम पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 20 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा, एक स्कूटी, दो मोबाइल फोन तथा गांजा बिक्री से प्राप्त 775 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात चेकिंग अभियान के दौरान शक्ति खंड-4 स्थित ग्रीन बेल्ट रोड के पास झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र से दोनों आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दशरथ और वीरेन्द्र कुमार के रूप में हुई है, जो इन्दिरापुरम के शक्ति खंड-4 स्थित झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे थे। पूछताछ और बरामदगी के आधार पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं के तकनीकी भविष्य को मिलेगी नई उड़ान, आईटीआई मुरादनगर का नया भवन जल्द होगा शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) मुरादनगर के नवनिर्मित भवन का शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति ने निरीक्षण किया। जांच में भवन निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों ने आवश्यक कमियों को शीघ्र दूर कर भवन को संबंधित विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। राज्य सरकार की व्यवसायिक शिक्षा को मजबूत करने की योजना के तहत ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा आईटीआई मुरादनगर में पुराने ट्रेडों के विस्तार और नए व्यवसायों के संचालन के लिए भवन का निर्माण कराया गया है। भवन के हस्तांतरण से पहले समिति ने निर्माण कार्य का गहन परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हाईडल विभाग के अधिशासी अभियंता, राजकीय आईटीआई मुरादनगर के प्रधानाचार्य, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के सहायक एवं अवर अभियंता तथा संबंधित ठेकेदार मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण में चिन्हित कमियों को जल्द दूर कर भवन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। प्रशासन का कहना है कि नए भवन के शुरू होने से आईटीआई मुरादनगर में प्रशिक्षण सुविधाएं और अधिक आधुनिक होंगी तथा युवाओं को रोजगारपरक एवं गुणवत्तापूर्ण तकनीकी प्रशिक्षण का बेहतर लाभ मिलेगा।

पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। लखनऊ के राममनोहर लोहिया अस्पताल में उपचाराधीन पूर्व मंत्री एवं सपा के कद्दावर नेता राजेंद्र चौधरी के शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। गौरतलब है कि शुक्रवार को सपा के पूर्व अध्यक्ष राम शरण दास की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री राजेन्द्र चौधरी को कार्डियक अरेस्ट (हृदयाघात) होने के कारण लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें देखने के लिए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर बृजेश पाठक अस्पताल पहुंचे और उनका हाल–चाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पूर्व मंत्री के नजदीक रहे उनके साथी पूर्व छात्र नेता हरेंद्र नेहरा, ओमपाल चौधरी, गजराज सिंह, आफताब त्यौड़ी, राजकुमार खंजरपुर आदि ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

दो वर्षीय मासूम से अनुचित कृत्य के प्रयास का आरोप, विजय नगर में आरोपी हिरासत में, पुलिस ने शुरू की गहन जांच

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना विजय नगर क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार सेक्टर-7 स्थित किसान कोटे के प्लॉट पर बने एक मकान में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि करीब 60 वर्षीय एक अधेड़ व्यक्ति ने दो वर्षीय मासूम बच्ची के साथ अनुचित कृत्य करने का प्रयास किया। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया।

सूचना मिलते ही थाना विजय नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक साक्ष्य एकत्र करने की कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी है।

पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

घटना के बाद पीड़ित मासूम बच्ची को तत्काल जिला संयुक्त चिकित्सालय भेजा गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। बच्ची की स्थिति को लेकर परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसीपी उपासना पाण्डेय ने बताया कि पूरे मामले की निष्पक्ष, गहन और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

मेडिकल रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्यों तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर आरोपी के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि सभी तथ्य स्पष्ट हो सकें और साक्ष्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

राज्य सरकार की भूमि पर कृषि कार्य करना/कब्जा करना दंडनीय अपराध-एसडीएम

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील प्रशासन द्वारा क्षेत्र में सरकारी भूमि पर कब्जा किए हुए लोगों से जमीनों को को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है, साथ ही उन पर कार्यवाही भी की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम अजीत कुमार सिंह एवं तहसीलदार रजत सिंह के नेतृत्व में तहसील प्रशासन की टीम ने ग्राम सारा में खसरा संख्या 1066, रकबा 0.5060 है। जो कि राज्य सरकार की भूमि है। किसी भी व्यक्ति द्वारा कृषि कार्य करना/कब्जा करना दंडनीय अपराध है।

300 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में लोनी में बुलडोजर चला, अवैध मजार हटाई... , वर्षों पुराना अवैध निर्माण ध्वस्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध जिला प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए इंदिरा मार्केट स्थित लोनी-गाजियाबाद मुख्य मार्ग के किनारे कई वर्षों से बनी अवैध मजार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया। प्रशासन का कहना है कि सड़क किनारे बने इस अवैध निर्माण के कारण लंबे समय से यातायात बाधित हो रहा था और आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न होती थी। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया, जिससे अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। अभियान का नेतृत्व एसडीएम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट लोनी दीपक सिंघनवाल ने किया। उनके साथ नायब तहसीलदार लीलू सिंह, सूचना अधिकारी योगेंद्र सिंह, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम, एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य, नगर पालिका परिषद लोनी के अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। लोनी क्षेत्र के सभी छह थानों की पुलिस के अलावा अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। करीब 300 पुलिसकर्मियों की निगरानी में पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर कार्रवाई को बिना किसी व्यवधान के पूरा कराया गया। अवैध मजार हटाने के साथ ही प्रशासन ने मुख्य मार्ग और फुटपाथों पर फैले अस्थायी अतिक्रमण पर भी बुलडोजर चलाया। लोनी तिराहा से इंदिरा मार्केट होते हुए एलएलएम तिराहा सब्जी मंडी तक सड़क के दोनों ओर किए गए कब्जों को हटाया गया। अभियान के दौरान आठ ट्रॉली तख्त, रेहड़ी, ठेले और अन्य सामान जब्त किया गया।

बुलडोजर को मौके पर पहुंचता देख कई दुकानदारों ने स्वयं ही अपना सामान हटाना शुरू कर दिया, जबकि जिन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया, उनका सामान प्रशासन ने जब्त कर लिया। करीब दो घंटे तक चले इस अभियान के बाद सड़क पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराई गई, जिससे वर्षों से जाम की समस्या झेल रहे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि भविष्य में दोबारा सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न होने दिया जाए। एसडीएम एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक सिंघनवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा और जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के निर्देशन में जिले में सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका परिषद लोनी के अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी ने कहा कि सड़क, फुटपाथ और सरकारी भूमि पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका नियमित रूप से निगरानी करेगी ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो और आम नागरिकों को निर्बाध यातायात की सुविधा मिल सके। उल्लेखनीय है कि लोनी-गाजियाबाद मार्ग पर लगातार लगने वाले जाम और फुटपाथों पर कब्जे को लेकर स्थानीय लोगों की शिकायतें लंबे समय से सामने आ रही थीं। हाल ही में इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने मौके का निरीक्षण किया और संयुक्त अभियान चलाकर अवैध निर्माण व अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई अमल में लाई।

प्रशासन का कहना है कि जनहित और सुचारु यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए ऐसे अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे।

हरियाली का संदेश: डीपीएस मोदीनगर में पौधारोपण के साथ कविता और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। वन महोत्सव सप्ताह (1 जुलाई से 7 जुलाई 2026) के अंतर्गत शनिवार को गाजियाबाद वन प्रभाग की मोदीनगर रेंज द्वारा डीपीएस मोदीनगर में पौधारोपण, कविता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'Forest, Nature and Us (जंगल, प्रकृति और हम)' रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली रहे। विशिष्ट अतिथियों में उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. सलोनी, डीपीएस मोदीनगर की प्रो-वाइस चांसलर अनिशा गांधी, प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही तथा हेडमास्टर अमित गल्यान शामिल रहे।

अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ₹जंगल, प्रकृति और हम₹ विषय पर आयोजित कविता एवं चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी अमित सिंह ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, मोदीनगर रेंज का वन स्टाफ तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

मोहित हत्याकांड में तीन और आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने मोहित शर्मा हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन और वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले मुख्य आरोपी गौरव शर्मा को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

2 जुलाई को शांतिनगर निवासी मनीष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

आरोप है कि गौरव शर्मा और उसके साथियों ने मोहित शर्मा को जन्मदिन की पार्टी का झांसा देकर बुलाया और पूर्व नियोजित साजिश के तहत धारदार हथियार से उसकी निर्मम हत्या कर दी।

घटना के बाद पुलिस ने लगातार दबिश देते हुए 3 जुलाई की देर रात मुखबिर की सूचना पर कृष्णा वाटिका से जल प्लांट जाने वाले मार्ग से तीन वांछित आरोपी–देव उर्फ देव शक्ति, न्याय उर्फ अजय और हरीश उर्फ हरी–को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है तथा मामले की विवेचना जारी है।

अम्बेडकर नगर की तीन गलियों का बदलेगा स्वरूप, मेयर सुनीता दयाल ने किया सड़क निर्माण का शिलान्यास

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम के वार्ड-25 स्थित अम्बेडकर नगर की गली संख्या 4, 7 एवं 9 में सड़क निर्माण कार्य का शनिवार को महापौर सुनीता दयाल ने विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद कन्हैया लाल, पवन शर्मा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

महापौर ने कहा कि क्षेत्रवासियों से किए गए विकास के वादों को पूरा करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क निर्माण से लोगों को बेहतर आवागमन, सुरक्षित रास्ते और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य प्रत्येक वार्ड में गुणवत्तापूर्ण सड़कें, स्वच्छ वातावरण और मजबूत आधारभूत ढांचे का विकास सुनिश्चित करना है, ताकि शहर के प्रत्येक नागरिक को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

स्थानीय लोगों ने भी सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नगर निगम का आभार जताया।

गोदाम विवाद में युवक की हत्या के मुख्य आरोपी को नहीं मिली राहत, अदालत ने जमानत अर्जी की खारिज

गाजियाबाद। लोनी थाना क्षेत्र में गोदाम के किराये को लेकर हुए विवाद के दौरान एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में मुख्य आरोपी आमिर उर्फ सोनू को अदालत से कोई राहत नहीं मिली। न्यायालय ने आरोपी की पहली जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा कि उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं और प्रथम दृष्टया घटना में उसकी मुख्य भूमिका सामने आती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सह-आरोपी को मिली जमानत के आधार पर मुख्य आरोपी को समान राहत नहीं दी जा सकती। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 को लोनी क्षेत्र स्थित गुर्जर चौक के पास एक गोदाम में चरण सिंह का पुत्र सोनू जाटव सफाई का कार्य कर रहा था। इसी दौरान गोदाम के किराये को लेकर आमिर उर्फ सोनू और उसके साथियों के साथ विवाद हो गया।

गाजियाबाद में प्रियंका ठाकुर का भव्य स्वागत, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का दिया मंत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद् की राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका ठाकुर के गाजियाबाद आगमन पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। ग्रेटर नोएडा परीचौक सहित विभिन्न स्थानों पर फूल-मालाओं एवं जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और राष्ट्र एवं सनातन समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रियंका ठाकुर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और जनसेवा के कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन हित में समर्पित भाव से कार्य करने की अपील की। बैठक में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री राजू अग्रवाल की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में महानगर प्रमुख कपिल शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष केशव सिंह, कन्हैया ठाकुर, राहुल, करण, वेद प्रकाश दुबे, वीरपाल सिंह, रवीन्द्र कश्यप, सचिव सत्येंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद् के गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष पंकज शर्मा एवं भाजपा महानगर मंत्री पंकज शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन समाजहित, राष्ट्रहित और सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनीं शिकायतें, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) श्री राजकरन नैय्यर ने अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण पर संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण पुलिस की प्राथमिकता है। इस दौरान फरियादियों को उनकी शिकायतों के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई तथा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक मामले का समाधान पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से किया जाए।

शराब पीकर स्टेयरिंग थामने वालों पर पुलिस का शिकंजा, गाजियाबाद में चला देर रात विशेष अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। सड़क सुरक्षा को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार रात ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था/यातायात) के निर्देशन में यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों ने रात 8 बजे से 12 बजे तक शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान शिप्रा मॉल, गौर ग्रीन, राजनगर एक्सटेंशन, आरडीसी, मॉडल टाउन सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर ब्रीथ एनालाइजर से वाहन चालकों की जांच की गई। जांच में शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए लोगों के विरुद्ध यातायात नियमों के तहत सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और लोगों में सुरक्षित वाहन चलाने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि शराब का सेवन करने के बाद वाहन न चलाएं और अपनी व दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

डीएम का सख्त एक्शन: सफाई में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, अधूरे नाले जल्द पूरे करने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने छपरौला–दादरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान डीएम ने नगर पालिका की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई और कहा कि नालों की नियमित सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चिटहेरा क्षेत्र में अधूरे पड़े निमार्णाधीन नालों का कार्य शीघ्र पूरा कराने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि औद्योगिक क्षेत्र के साथ–साथ आम नागरिकों को भी बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके।